राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, गुरुवार , 25 दिसंबर 2025

वर्ष 14,अंक 252, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

दोस्त पर पत्नी को बहला-फुसलाकर भगाने का आरोप, धर्मांतरण व जान से मारने की धमकी..03

कोहरे के चलते ट्रेन सेवा प्रभावित, तीन घंटे लेट आई पैसेंजर..04

लीबिया के आर्मी चीफ की प्लेन क्रैश में मौत, तुर्की से लौटते वक्त हादसा, आसिम मुनीर के जाते ही झटका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लीबिया के लिए पाकिस्तान पनौती बनकर निकला है. पाकिस्तानी आर्मी चीफ आसिम मुनीर के कदम पड़ते ही लीबिया को बड़ा झटका लगा है. पाकिस्तान के साथ डिफेंस डील करते ही लीबिया में दुखों का पहाड़ टूटा है. जी हां, लीबिया के आर्मी चीफ की प्लेन क्रैश में मौत हो गई है. एक प्राइवेट जेट में लीबिया के सेना प्रमुख और चार अन्य अधिकारी तुर्की से अपने देश लौट रहे थे. तभी उनका प्लेन क्रैश हो गया. इस प्लेन क्रैश में लीबिया के आर्मी चीफ और अन्य 7 लोगों की मौत हो गई. इनमें तीन क्रू मेंबर थे।

दरअसल, लीबिया के मिलिट्री चीफ, चार अन्य अफसरों और तीन क्रू मेंबर्स को ले जा रहा एक प्राइवेट जेट मंगलवार को तुर्की की राजधानी अंकारा से उड़ान भरने के बाद क्रैश हो गया. इससे विमान में सवार सभी लोगों की मौत हो गई. लीबिया के अधिकारियों ने बताया कि प्लेन क्रैश का कारण विमान में तकनीकी खराबी थी. तुर्की के अधिकारियों ने बताया कि लीबिया का प्रतिनिधिमंडल तुर्की और लीबिया के बीच सैन्य सहयोग बढ़ाने के मकसद से उच्च स्तरीय रक्षा वार्ता के लिए अंकारा में था।

लीबिया के पीएम ने किया कन्फर्म

लीबिया के प्रधानमंत्री अब्दुल-हामिद दबीबा ने आर्मी चीफ जनरल मुहम्मद अली अहमद अल-हद्दाद और चार अधिकारियों की मौत की पुष्टि की और फेसबुक पर एक बयान में कहा कि यह दुखद दुर्घटना तब हुई जब प्रतिनिधिमंडल घर लौट रहा था. प्रधानमंत्री ने इसे लीबिया के लिए बहुत बड़ा नुकसान बताया. लीबिया के आर्मी चीफ अल-हद्दाद पश्चिमी लीबिया में टॉप सैन्य कमांडर थे और लीबिया की सेना को एकजुट करने के लिए चल रहे संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता वाले प्रयासों में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जो लीबिया के संस्थानों की तरह ही विभाजित हो गई है।

आर्मी चीफ के अलावा कौन अफसर मरे?

तुर्की प्लेन क्रैश में मारे गए चार अन्य अधिकारी जनरल अल-फितौरी घ्रैबिल, लीबिया की जमीनी सेना के प्रमुख, ब्रिगेडियर जनरल महमूद अल-कतावी (जिन्होंने सैन्य निर्माण प्राधिकरण का नेतृत्व किया), मोहम्मद अल-असावी दियाब, चीफ ऑफ स्टाफ के सलाहकार, और मोहम्मद उमर अहमद महजूब, चीफ ऑफ स्टाफ के कार्यालय में एक सैन्य फोटोग्राफर थे. तीनों क्रू मेंबर्स की पहचान तुरंत पता नहीं चल पाई।

कैसे हुआ लीबिया के आर्मी चीफ का प्लेन क्रैश

तुर्की के अधिकारियों ने बताया कि फाल्कन 50-टाइप के बिजनेस जेट का मलबा अंकारा से लगभग 70 किलोमीटर (लगभग 43.5 मील) दक्षिण में हयमाना जिले के केसिक्कावाक गांव के पास मिला है. इससे पहले मंगलवार शाम को तुर्की के एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स ने कहा कि अंकारा के एसेनबोगा हवाई अड्डे से उड़ान भरने के बाद लीबिया लौट रहे विमान से उनका संपर्क टूट गया था।

तुर्की के आंतरिक मंत्री अली येरलिकाया ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि विमान ने मंगलवार रात 8:30 बजे उड़ान भरी थी और 40 मिनट बाद

संपर्क टूट गया।

येरलिकाया ने कहा कि सभी संचार बंद होने से पहले विमान ने हयमाना के पास आपातकालीन लैंडिंग का संकेत दिया था.

तुर्की के राष्ट्रपति संचार कार्यालय के प्रमुख बुरहानेटिन दुरान ने कहा कि विमान ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल को बिजली की खराबी के बारे में सूचित किया और आपातकालीन लैंडिंग का अनुरोध किया.

विमान को वापस एसेनबोगा की ओर मोड़ दिया गया, जहां उसकी लैंडिंग की तैयारी शुरू हो गई थी।

हालांकि, दुरान ने बताया कि इमरजेंसी लैंडिंग के लिए नीचे उतरते समय प्लेन रडार से गायब हो गया।

आसमान में धमाका और बिजली जैसी चमक

स्थानीय टेलीविज़न स्टेशनों पर दिखाए गए सिक्योरिटी कैमरे के फुटेज में हेमाना के ऊपर रात का आसमान अचानक एक धमाके जैसी चीज़ से रोशन होता दिखा. अंकारा में रहते हुए लीबिया के आर्मी चीफ अल-हद्दाद ने तुर्की के रक्षा मंत्री यासर गुलेर और अन्य अधिकारियों से मुलाकात की थी. अंकारा में एयरपोर्ट को कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया था और कई फ्लाइट्स को दूसरी जगहों पर डायवर्ट कर दिया गया था. तुर्की के न्याय मंत्रालय ने कहा कि इस तरह की घटनाओं में आम तौर पर जैसा होता है, वैसे ही इस क्रैश की जांच के लिए चार प्रॉसिक्यूटर नियुक्त किए गए हैं।

तुर्की जाएगी लीबिया की जांच टीम

फेसबुक पर एक सरकारी बयान के अनुसार, लीबिया इस क्रैश की जांच में तुर्की अधिकारियों के साथ काम करने के लिए अंकारा में एक टीम भेजेगा. लीबियाई प्रतिनिधिमंडल का मंगलवार का दौरा तुर्की की संसद द्वारा लीबिया में सेवारत तुर्की सैनिकों के कार्यकाल को दो साल के लिए बढ़ाने की मंजूरी देने के एक दिन बाद हुआ. तुर्की ने 2019 में अंकारा और त्रिपोली स्थित सरकार के बीच हुए सुरक्षा और सैन्य सहयोग समझौते के बाद सैनिक तैनात किए थे. बता दें कि बीते दिनों ही आसिम मुनीर लीबिया में मौजूद थे।

मुनीर बन गए पनौती

लीबिया को यह झटका ऐसे वक्त में लगा है, जब आसिम मुनीर के एक दिन पहले ही लीबिया में कदम पड़े थे. एक तरह से कहें तो पाकिस्तान लीबिया के लिए पनौती साबित हुआ है. पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने बीते दिनों 2025 में लीबिया का आधिकारिक दौरा किया. इस दौरान उन्होंने लीबियन नेशनल आर्मी (एलएनए) के कमांडर-इन-चीफ फील्ड मार्शल खलीफा हफ्तार और उनके डिप्टी सद्दाम खलीफा हफ्तार से बेनगाजी में मुलाकात की. इस दौरे के बाद पाकिस्तान और लीबिया के बड़ी डिफेंस डील हुई. इसके तहत पाकिस्तान अपने फाइटर जेट्स लीबिया को देगा।

आवामी लीग से बैन हटाओ, अमेरिका ने युनुस को दे दिया झटका, बांग्लादेश में हसीना की वापसी का बन रहा रास्ता?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बांग्लादेश में फरवरी में होने वाले आम चुनाव से पहले शेख हसीना की वापसी का रास्ता बनता दिख रहा है. मोहम्मद यूनुस की तानाशाही के खिलाफ अंतरिम सरकार पर अंतरराष्ट्रीय दबाव तेज हो गया है. अमेरिका के प्रभावशाली सांसदों के एक समूह ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि यूनुस को शेख हसीना की पार्टी वामी लीग से बैन हटाना चाहिए. उन्होंने कहा कि अगर किसी बड़ी राजनीतिक पार्टी को चुनाव प्रक्रिया से बाहर रखा गया, तो यह चुनाव न तो स्वतंत्र होगा और न ही निष्पक्ष. अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति के वरिष्ठ सदस्य ग्रेगरी डब्ल्यू मीक्स, बिल हुईजेंगा और सिडनी कैमलागर-डोव ने मंगलवार को बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस को एक औपचारिक पत्र भेजा. इस पत्र में उन्होंने कहा कि किसी पूरे राजनीतिक संगठन पर प्रतिबंध लगाना लाखों मतदाताओं को उनके वोट के अधिकार से वंचित कर सकता है।

अमेरिकी सांसदों ने यह पत्र ऐसे समय में भेजा है जब बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने जुलाई विद्रोह के बाद अवामी लीग और उसकी छात्र इकाई बांग्लादेश छात्र लीग पर

प्रतिबंध लगा रखा है. सांसदों ने स्पष्ट किया कि वे राष्ट्रीय संकट के दौरान अंतरिम सरकार की भूमिका को समझते हैं, लेकिन किसी पार्टी को सामूहिक रूप से दोषी ठहराना बुनियादी मानवाधिकारों और व्यक्तिगत आपराधिक जिम्मेदारी के सिद्धांत के खिलाफ है.पत्र में यह भी चेतावनी दी गई कि राजनीतिक गतिविधियों पर रोक और इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (ICT) को दोबारा उसी पुराने स्वरूप में शुरू करना चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचा सकता है।

अमेरिका से यूनुस ने की थी बात

अमेरिकी सांसदों ने जोर दिया कि चुनाव ऐसा होना चाहिए जिसमें जनता शांतिपूर्ण तरीके से बैलेट के जरिए अपनी इच्छा व्यक्त कर सके और सरकारी संस्थानों की निष्पक्षता पर भरोसा बहाल हो. यह पत्र ऐसे समय आया है जब यूनुस ने अमेरिकी विशेष दूत सर्जियो गोर से फोन पर बातचीत की. इस बातचीत में व्यापार, टैरिफ, चुनाव, लोकतांत्रिक संक्रमण और छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या पर चर्चा हुई. यूनुस ने कहा कि देश 12 फरवरी को चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है और अंतरिम सरकार स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करेगी।

क्या बोलीं शेख हसीना?

हालांकि यूनुस ने यह भी आरोप लगाया कि अपदस्थ शासन के समर्थक करोड़ों डॉलर खर्च कर चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने की कोशिश कर रहे हैं और विदेश से हिंसा भड़काई जा रही है. उन्होंने कहा कि सरकार हर चुनौती से निपटने के लिए तैयार है. इसी बीच पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने 22 दिसंबर को कड़ा बयान देते हुए कहा कि अवामी लीग के बिना चुनाव चुनाव नहीं बल्कि 'राजतिलक' होगा. उन्होंने चेतावनी दी कि अगर उनकी पार्टी पर प्रतिबंध बरकरार रहा तो लाखों लोग मतदान से दूर रहेंगे और ऐसी सरकार को नैतिक वैधता नहीं मिलेगी. हसीना ने मौजूदा हिंसा, अल्पसंख्यकों पर हमलों और उस्मान हादी की हत्या के लिए यूनुस सरकार को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि भारत समेत पड़ोसी देश बांग्लादेश की अराजकता को चिंता के साथ देख रहे हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने उन्नाव रेप केस में दोषी क़रार कुलदीप सेंगर की उम्रक़ैद की सज़ा पर रोक लगाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली– दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार (23 दिसंबर) को उन्नाव बलात्कार मामले में उम्रक़ैद की सज़ा काट रहे भाजपा से निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर की सज़ा पर रोक लगा दी. जस्टिस सुब्रमोनियम प्रसाद और जस्टिस हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने सेंगर को ज़मानत देते हुए 15 लाख रुपये के निजी मुचलके और उतनी ही राशि के तीन ज़मानतदार पेश करने का आदेश दिया. हाईकोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि सेंगर पीड़िता के घर से पांच किलोमीटर के दायरे में नहीं जाएंगे और न ही उन्हें या उनकी मां को धमकाएंगे. अदालत ने कहा, 'हम सज़ा निलंबित कर रहे हैं. 15 लाख रुपये के निजी मुचलके और समान राशि के तीन ज़मानतदार देना अनिवार्य होगा... उन्हें पीड़िता के घर के पांच किलोमीटर के भीतर नहीं जाना है... अपील लंबित रहने तक दिल्ली में ही रहना है. यदि दोषसिद्धि बरकरार रहती है तो शेष सज़ा भुगतने के लिए उपलब्ध रहना सुनिश्चित करना... पीड़िता या उसकी मां को किसी तरह की धमकी नहीं देना... पासपोर्ट ट्रायल कोर्ट में जमा करना... हर सोमवार सुबह 10 बजे स्थानीय थाने में हाज़िरी देना.' अदालत ने कहा कि इन शर्तों में से किसी भी

शर्त का उल्लंघन होने पर ज़मानत रद्द कर दी जाएगी. इस वर्ष की शुरुआत में भी सेंगर को राष्ट्रीय राजधानी स्थित एम्स में मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए अंतरिम ज़मानत मिली थी. पिछले वर्ष दिसंबर में भी उन्हें इसी तरह की राहत दी गई थी. हाईकोर्ट ने सेंगर की सज़ा को उनकी अपील के अंतिम निर्णय तक निलंबित रखा है. उन्होंने दिसंबर 2019 में दिए गए ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती दी है।

पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के मामले में उनकी सज़ा के खिलाफ दायर अपील भी अभी लंबित है. इस मामले में उन्हें 10 वर्ष की सज़ा सुनाई गई थी और वे इस सज़ा पर भी यह कहते हुए रोक लगाने की मांग कर रहे हैं कि वे पहले ही काफी समय जेल में बिता चुके हैं. उल्लेखनीय है कि उक्त मामला 4 जून, 2017 का है, जब पीड़िता के साथ यूपी के बांगरमऊ से पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर ने कथित तौर पर बलात्कार किया था. उस समय पीड़िता की उम्र 17 साल थी. बांगरमऊ से चार बार भाजपा के विधायक रह चुके सेंगर को अगस्त 2019 में पार्टी से तब निकाल दिया गया जब पीड़िता और उसका परिवार सड़क हादसे का शिकार हो गया. वह 28 जुलाई 2019 को रायबरेली जिले में हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गई थी. पीड़िता की कार को एक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दिया था, जिसमें उनके दो रिश्तेदारों की मौत हो गई थी और उनका वकील गंभीर रूप से घायल हो गए थे. इसके बाद 3 अप्रैल, 2018 को उनके पिता को कथित तौर पर अवैध हथियार मामले में फंसाया गया और गिरफ्तार कर लिया गया. कुछ दिनों बाद 29 अप्रैल, 2018 को न्यायिक हिरासत में उनकी मौत हो गई. इसके बाद चार मार्च, 2020 को सेंगर, उनके भाई एवं पांच अन्य को बलात्कार पीड़िता के पिता की न्यायिक हिरासत में मौत के मामले में भी दोषी ठहराया गया था और उन्हें दस साल की कैद की सजा सुनाई गई थी. उच्चतम न्यायालय ने एक अगस्त, 2019 को इस मामले की सुनवाई उत्तर प्रदेश से दिल्ली स्थानांतरित कर दी थी. 20 दिसंबर, 2019 को सेंगर को 2017 में नाबालिग से बलात्कार करने के एक अलग मामले में उम्रक़ैद की सजा सुनाई गई थी।

संक्षिप्त ख़बरें

भर्तियों में संवैधानिक रूप से अनिवार्य OBC कोटा नहीं दे रही BJP : अखिलेश यादव

लखनऊ– समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर उत्तर प्रदेश सरकार की भर्तियों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को संवैधानिक रूप से अनिवार्य आरक्षण नहीं देने और पिछले पांच वर्षों में आरक्षित श्रेणियों के पदों की बड़े पैमाने पर 'लूट' का बुधवार को आरोप लगाया। यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा संविधान के तहत ओबीसी के लिए निर्धारित 27 प्रतिशत आरक्षण में से लगभग एक-तिहाई हिस्से को खारिज कर रही है, जिससे उसका 'संविधान और आरक्षण विरोधी चेहरा' उजागर हो रहा है। उन्होंने पोस्ट के साथ एक चार्ट भी साझा किया और कहा, 'पिछले पांच साल में हुई सभी भर्तियों में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) वर्ग के पदों की लूट हुई है। ये पिछली चार भर्तियों का लेखा-जोखा है। इन सभी भर्तियों में 30 हजार से अधिक पीडीए पदों की लूट हुई। चोरी पकड़े जाने के बाद सरकार ने तथाकथित समिति गठित की, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई, केवल मीडिया मैनेजमेंट हुआ।' अखिलेश यादव ने सरकार से सवाल किया, 'क्या ये पीडीए विरोधी सरकार बताएगी कि वह आखिरकार कब तक ओबीसी, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण की लूट करती रहेगी? आरक्षण का हक मारने के लिए 'नॉट फाउंड सूटेबल' जैसे गैरकानूनी फार्मूले को अब अदालत में चुनौती देने का समय आ गया है।' उन्होंने आरोप लगाया, 'दरअसल भाजपा के एजेंडे में नौकरी है ही नहीं और पीडीए समाज के लिए तो बिल्कुल भी नहीं है। भाजपा जाए तो नौकरी-भर्ती आए।'

चटर्जी या चट्टोपाध्याय! बंगाल के मंत्री के बेटे के 'सरनेम' पर चुनाव आयोग ने पूछा सवाल, SIR पर मचा बवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बंगाल में SIR पर बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है. माकपा के राज्य सचिव मोहम्मद सलीम के बेटे के सरनेम को लेकर विवाद के बाद अब राज्य के मंत्री शोभनदेब चट्टोपाध्याय के बेटे के सरनेम को लेकर विवाद पैदा हो गया है. क्या चटर्जी और चट्टोपाध्याय में कोई फर्क है? या वे एक ही हैं? अब, SIR की प्रक्रिया के तहत राज्य के मंत्री शोभनदेब चट्टोपाध्याय के बेटे सायनदेब चट्टोपाध्याय को यह सबूत देना होगा. सायनदेब के पिता की जगह शोभनदेब चटर्जी लिखा है. सायनदेब को अब यह सबूत देना होगा कि चटर्जी और चट्टोपाध्याय दोनों एक ही हैं. मंत्री शोभनदेब चट्टोपाध्याय ने इस पर अपना गुस्सा जाहिर किया. SIR में ड्राफ्ट लिस्ट प्रकाशन के बाद कई तरह की गड़बड़ियां सामने आई हैं. डानकुनी नगरपालिका के एक तृणमूल पार्षद को मृत दिखाया गया. वह पार्षद, सूर्या डे, विरोध में श्मशान घाट चले गए. फिर, ईस्ट बर्दवान में कालना नगर पालिका में एक व्यक्ति को मृत बताया गया है. वह अपना डेथ सर्टिफिकेट लेने के लिए नगर पालिका पहुंच

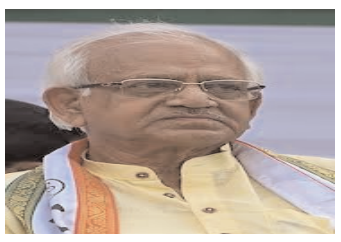

गया, क्योंकि, उसे ड्राफ्ट लिस्ट में मृत दिखाया गया था।

गलत स्पेलिंग से क्या कट जाएगा नाम?

इस बार शोभनदेब चट्टपोपाध्याय ने इलेक्शन कमीशन पर हमला करते हुए कहा, 'सर्टिफिकेट और वोटर लिस्ट में नाम की स्पेलिंग अलग-अलग है. इसलिए लिखा है कि आपका नाम हटा दिया जाएगा. क्यों हटाया जाएगा? अगर इलेक्शन कमीशन मेरा नाम गलत लिखता है, तो मैं इसकी जिम्मेदारी क्यों लूं? हम पर ऐसे आरोप लग रहे हैं. मेरे बेटे सायनदेब के साथ भी ऐसा हुआ है ' उन्होंने कहा, 'सायनदेब के पिता का नाम शोभनदेब चट्टोपाध्याय है. लिस्ट में चटर्जी लिखा है. अब उसे एडमिट कार्ड लेकर दिखाना होगा. मुझे भी समझ नहीं आ रहा कि चट्टोपाध्याय और चटर्जी को अलग किया जा रहा है. ऐसा पहले कभी नहीं हुआ. पहले शोभनदेब चटर्जी लिखकर छोड़ देते थे. अब चट्टोपाध्याय नहीं लिखा तो नाम हटा देंगे. वह घर आकर कह रहे हैं कि डॉक्यूमेंट लाएं ।

माकपा सचिव के बेटे के सरनेम पर भी हुआ था विवाद

उन्होंने कहा कि जब उनसे पूछा गया कि क्या उनके बेटे को सुनवाई के लिए बुलाया गया था, तो शोभनदेब ने कहा, 'उसे सुनवाई के लिए नहीं बुलाया गया था. हालांकि, BLO ने कहा, मैं यहीं बैठा हूं. वह जाकर नाम ठीक करके वापस आ जाएगा. 'इससे पहले, CPI-M के स्टेट सेक्रेटरी मोहम्मद सलीम के बेटे आतिश अजीज ने आरोप लगाया था कि ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में उनके और सलीम के सरनेम बदल दिए गए थे. सरनेम की जगह अवस्थी लिख दिया गया था. इससे राज्य की पॉलिटिक्स में हलचल मच गई थी. फिर कमीशन ने एक्शन लिया. ERO से रिपोर्ट मांगी गई थी. रिपोर्ट मिलने के बाद कमीशन ने कहा कि लगाया गया आरोप बेबुनियाद है. मोहम्मद सलीम के नाम को लेकर कोई गलती नहीं थी।

रिजर्वेशन को लेकर अखिलेश यादव का योगी सरकार पर वार, BJP पर लगाया PDA का हक छीनने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश में साल 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं, जिसको लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) अभी से तैयारियों में जुट गई है. चुनाव से पहले सरकारी नौकरियों में आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर से सुर्खियों में आ गया है. समाजवादी पार्टी ने सरकारी नौकरियों में OBC, SC और ST वर्ग के साथ अन्याय को बड़ा मुद्दा बनाते हुए योगी सरकार पर तीखा हमला बोला है. पार्टी का आरोप है कि भर्तियों में आरक्षण नियमों को जानबूझकर कमजोर किया गया और PDA (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समाज का हक छीना गया. सपा का आरोप है कि उत्तर प्रदेश में जो सरकारी नौकरियां निकल रही हैं उनमें OBC, SC और स्त्र समाज के उम्मीदवारों के साथ धोखा हो हो रहा है. पार्टी का कहना है कि भर्तियों में आरक्षण के नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है. सपा ने बीजेपी को आरक्षण और PDA विरोधी करार दिया है।

'5 सालों में PDA के पदों पर हुई लूट'

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि बीते पांच सालों में प्रदेश में जितनी भी भर्तियां हुई हैं उसमें PDA के पदों पर जमकर लूट हुई है. उन्होंने चार भर्तियों का लेखा-जोखा पेश करते हुए बीजेपी को आरक्षण छीनने वाला बताया. अखिलेश ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है. उन्होंने दावा किया है कि पिछले पांच सालों में यूपी की सरकारी भर्तियों में सुनियोजित तरीके से आरक्षित वर्गों को नुकसान पहुंचाया गया।

आरक्षण की लूट नाम से शेयर किया पोस्टर

सपा प्रमुख ने उत्तर प्रदेश में आरक्षण की लूट नाम से एक पोस्टर शेयर किया है. जिसमें उन्होंने सिलसिलेवार तरीके से पिछले चार सालों का लेखा जोखा बताया है. उन्होंने चार भर्तियों का हवाला देते हुए 30 हजार से ज्यादा PDA पदों की लूट का दावा किया है. अपनी पोस्ट में अखिलेश ने कहा कि पिछले 5 साल में हुई सभी भर्तियों में PDA के पदों की लूट हुई है।

69000 सहायक शिक्षक भर्ती (2019): 34500 आरक्षित पदों की जगह केवल 5161 पद, 29339 पदों की कथित लूट।

बांदा कृषि विश्वविद्यालय भर्ती (2021): 8 आरक्षित पदों की जगह सिर्फ 2 पद।

लखीमपुर सहकारी बैंक भर्ती (2023): 14 आरक्षित पदों में से 8 ही दिए गए।

राजस्व लेखपाल भर्ती (2025): 3997 आरक्षित पदों की जगह 3037 पद, 960 पदों की कमी का दावा।

कोर्ट में चुनौती देने की कही बात

अखिलेश ने डेटा के जरिए बीजेपी सरकार को घेरते हुए कहा कि भर्तियों में नॉट फाउंड सूटेबल (NFS) जैसे अवैध फॉर्मूले का इस्तेमाल कर योग्य उम्मीदवारों को बाहर किया जा रहा है. उन्होंने आरोप लगाया गया कि जब इन भर्तियों में धांधली और आरक्षण की चोरी पकड़ी गई, तो सरकार ने जनता को गुमराह करने के लिए तथाकथित कमेटियां तो बनाई, लेकिन आज तक उन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई. अखिलेश ने कहा कि कमेटियों के नाम पर केवल मीडिया मैनेजमेंट किया गया ताकि आरक्षण लूट के असल मुद्दे को दबाया जा सके. उन्होंने इस हथ्रस फॉर्मूले को अब सीधे कोर्ट में चुनौती देने और सड़कों पर संघर्ष करने का ऐलान किया है।

जो भी जमीन पर कब्जा करेगा, उसे नहीं छोड़ूंगा... यूपी विधानसभा में सीएम योगी का बड़ा ऐलान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को विधानसभा में समाजवादी पार्टी पर जमकर हमला बोला. इसके साथ ही राज्य के विकास की विभिन्न योजनाओं का खुलासा किया. सीएम योगी ने कहा कि आज से नौ साल पहले सपा इस पक्ष में थी और बीजेपी उस पक्ष में थी, सपा तितर-बितर हो गई. मैं पूछूंगा कि काफिला क्यों लुटा? इधर-उधर की बात ना करें. इसके साथ ही योगी ने अतिक्रमण पर साफ कर दिया कि जो कब्जा किया. उसे छोड़ूंगा नहीं. उन्होंने कहा कि अराजकता के तांडव के लिए कौन दोषी था? माफिया के प्रति सरकार की कड़ी नीति है. 4 आयाम हैं, जिस पर सरकार ने काम किया, व्यक्ति, समाज और संस्था को सबसे पहले सुरक्षा चाहिए. मन में सुरक्षा का अहसास हो. सीएम योगी ने कहा कि ये सरकार की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए आपने क्या किया? क्या नहीं किया. यूपी की जनता ने रिजल्ट दिया है. क्या किया है. जनता रिजल्ट दे रही है. आगे भी देती रहेगी।

2017 से पहले यूपी की धारणा लोगों में अच्छी नहीं थी

उन्होंने कहा कि 2017 से पहले यूपी की धारणा लोगों में अच्छी नहीं थी. लोगों

के मन में अहसास है कि दंगा नहीं है. न्याय कैसे होता है? आपकी ही पार्टी की सदस्य थी, पूजा पाल, आप न्याय नहीं दिला पाए? सीएम योगी ने कहा कि माफिया के सामने झुकना मजबूरी थी. आप बात तो पीडीए की करते हैं. न्याय कैसे करते हैं. ये हमारी सरकार ने तय किया है कि चाहे इस पक्ष का हो या उस पक्ष का हो. कब्जा कोई भी करेगा. उसको छोड़ूंगा तो नहीं. चाहे कहीं भी करे, कोई भी स्मारक पर, छोड़ूंगा नहीं. उन्होंने साफ कहा कि छांगुर जैसे लोगों को छोड़ा नहीं जाएगा. 2017 से पहले मेट्रो के नाम पर मजाक बनाया जाता था. 2017 से पहले यूपी में डेढ़ एक्सप्रेस-वे थे. आज 22 एक्सप्रेस-वे हैं. 60 फीसदी यूपी के पास होगा।

अगले महीने से जेवर एयरपोर्ट का होगा संचालन

सीएम योगी ने कहा कि देश का सबसे बड़ा रेल नेटवर्क यूपी में है. सबसे ज्यादा मेट्रो एवं एयरपोर्ट भी उत्तर प्रदेश में है. सीएम योगी ने ऐलान किया कि जेवर एयरपोर्ट अगले माह से संचालित होने वाला है. सीएम योगी ने सपा पर हमला बोलते हुए कहा कि पहले बिना घूस दिए लोगों को नौकरी नहीं मिलती थी. अब भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी हो गयी है. उन्होंने ऐलान करते हुए कहा कि उनकी सरकार नकल माफिया के खिलाफ उसी प्रकार कार्रवाई करेगी जैसे क्रिमिनल के खिलाफ की गयी है. मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश में दंगे कराकर माहौल को खराब करने की कोशिश की जाती थी. इससे राज्य में निवेश करने से निवेशक डरते थे, लेकिन आज उत्तर प्रदेश में निवेश आ रहा है. हमारे यहां ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण किया जा रहा है और नौजवान अब भटकने को मजबूर नहीं है।

बांग्लादेश की अराजकता और हिन्दुओं पर मंडराता संकट, भारत की चेतावनी और अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारी

बांग्लादेश इस समय जिस अराजकता और अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है, उसने न केवल वहां की आंतरिक शांति को झकझोर दिया है, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की सुरक्षा और मानवीय मूल्यों पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। कट्टरपंथी ताकतों के बेकाबू होने, भीड़ हिंसा की घटनाओं में बढ़ोतरी और कानून-व्यवस्था के चरमराने से सबसे अधिक भय और असुरक्षा का वातावरण अल्पसंख्यक हिन्दू समाज के बीच व्याप्त है। चटगांव की हृदयविदारक घटना ने इस सच्चाई को और भी निर्मम रूप में उजागर कर दिया है, जहां मामूली विवाद को धार्मिक रंग देकर एक निर्दोष व्यक्ति को भीड़ के हवाले कर दिया गया। यह घटना केवल एक व्यक्ति की हत्या नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी है कि जब कट्टरता को खुली छूट मिलती है तो मानवता सबसे पहले मरती है।

बताया जा रहा है कि एक मुस्लिम सहकर्मी ने मामूली व्यक्तिगत रंजिश के चलते भीड़ के बीच यह ऐलान कर दिया कि दीपू नामक युवक ने पैगम्बर मोहम्मद के बारे में अपमानजनक टिप्पणी की है। इस एक झूठे आरोप ने भीड़ को उकसा दिया और देखते ही देखते मामला मॉब लिंचिंग में बदल गया। ऐसी घटनाएं किसी भी सभ्य समाज के लिए घोर कलंक हैं। धर्म के नाम पर हिंसा न केवल संविधान और कानून का अपमान है, बल्कि यह उस इस्लामी परंपरा के भी खिलाफ है जो करुणा, सह-अस्तित्व और न्याय की बात करती है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि बांग्लादेश में ऐसी घटनाएं अपवाद नहीं, बल्कि धीरे-धीरे एक खतरनाक प्रवृत्ति का रूप लेती जा रही हैं।

इस भयावह माहौल में हिन्दू समाज ने जिस तरह से दीपू के परिजनों की जिम्मेदारी ली है, वह मानवीय संवेदना और सामाजिक एकजुटता का उदाहरण है। लेकिन सवाल यह है कि क्या किसी लोकतांत्रिक देश में अल्पसंख्यकों को अपनी सुरक्षा के लिए स्वयं आगे आना पड़े? क्या राज्य की जिम्मेदारी केवल तमाशबीन बने रहने की है? बांग्लादेश में हिन्दुओं की गली-मोहल्लों में बदतर होती स्थिति इस बात का प्रमाण है कि सुरक्षा एजेंसियां या तो मूकदर्शक बनी हुई हैं या फिर राजनीतिक दबावों के चलते निष्क्रिय हैं। खुलेआम निशाना बनाए जा रहे हिन्दू परिवारों में दहशत का माहौल है, लोग पलायन को मजबूर हो रहे हैं और उनके धार्मिक स्थलों व संपत्तियों पर हमले हो रहे हैं।

यह विडंबना ही है कि जिस बांग्लादेश के निर्माण के लिए भारत ने ऐतिहासिक बलिदान दिए, लाखों शरणार्थियों का भार उठाया और 1971 में निर्णायक भूमिका निभाई, वही बांग्लादेश आज भारत के प्रति दोगली नीति अपनाता दिखाई दे रहा है। भारत ने न केवल मानवीय आधार पर, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता के लिए भी बांग्लादेश का साथ दिया था। लेकिन आज भारत-विरोधी प्रोपेगैंडा, झूठी अफवाहें और नफरत फैलाने वाले मीडिया समूह बांग्लादेश की सड़कों और सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं। इनका सीधा असर वहां रहने वाले हिन्दुओं पर पड़ रहा है, जिन्हें 'भारत समर्थक' या विदेशी एजेंट कहकर निशाना बनाया जाता है।

इन्हीं गंभीर परिस्थितियों को देखते हुए भारत सरकार ने वीजा सेवाओं को निलंबित करने का फैसला किया है। यह निर्णय किसी एक घटना के आधार पर नहीं, बल्कि बांग्लादेश में लगातार बिगड़ते हालात, हिन्दुओं के खिलाफ हिंसा, भारत-विरोधी गतिविधियों और लचर कानून-व्यवस्था की पृष्ठभूमि में लिया गया है। भारत ने स्पष्ट संकेत दिया है कि जब तक हालात सामान्य नहीं होते और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जाती, तब तक यह कड़ा कदम जारी रहेगा। यह फैसला कूटनीतिक दबाव का एक माध्यम है, ताकि बांग्लादेश सरकार अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से ले। बांग्लादेश में हालात कितने चिंताजनक हैं, इसका अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि अमेरिकी ढाका दूतावास ने अपने नागरिकों के लिए सुरक्षा चेतावनी जारी की है। दूतावास ने स्पष्ट कहा है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कभी भी हिंसक रूप ले सकते हैं और नागरिकों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। जब किसी देश में विदेशी दूतावास अपने नागरिकों को चेतावनी देने लगें, तो यह उस देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था पर गहरा सवाल खड़ा करता है। यह स्थिति केवल बांग्लादेश तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की स्थिरता के लिए खतरे की घंटी है।

एक और चिंताजनक पहलू दुष्प्रचार और भ्रामक अफवाहों का तेजी से फैलना है। सोशल मीडिया और कुछ कट्टरपंथी मीडिया समूहों द्वारा झूठी खबरें फैलाई जाती हैं, जिनका उद्देश्य लोगों की धार्मिक भावनाओं को भड़काना और हिंसा को बढ़ावा देना होता है। इतिहास गवाह है कि अफवाहें सबसे पहले कमजोर और अल्पसंख्यक समुदायों को निशाना बनाती हैं। ऐसे में आम नागरिकों की जिम्मेदारी भी बनती है कि वे किसी भी भ्रामक सूचना पर आंख मूंदकर विश्वास न करें। लेकिन यह जिम्मेदारी सबसे पहले राज्य और सरकार की है कि वे दुष्प्रचार पर सख्ती से रोक लगाएं और दोषियों को दंडित करें।

भारत के विदेश मंत्रालय से यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वह इस मुद्दे को केवल कूटनीतिक बयानबाजी तक सीमित न रखे, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मजबूती से उठाए। संयुक्त राष्ट्र, मानवाधिकार परिषद और अन्य वैश्विक संस्थाओं को बांग्लादेश में हिन्दुओं की स्थिति से अवगत कराना समय की मांग है। साथ ही भारत को युनुस सरकार को स्पष्ट चेतावनी देनी चाहिए कि अल्पसंख्यकों की जान-माल की सुरक्षा किसी भी संप्रभु राष्ट्र की बुनियादी जिम्मेदारी होती है। यदि बांग्लादेश सरकार इसमें विफल रहती है, तो अंतरराष्ट्रीय दबाव और कूटनीतिक परिणामों के लिए उसे तैयार रहना होगा।

यह भी समझना जरूरी है कि यह मुद्दा केवल भारत-बांग्लादेश संबंधों तक सीमित नहीं है। यह मानवाधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रश्न है। यदि आज बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हो रही हिंसा को नजरअंदाज किया गया, तो कल यह आग किसी भी और अल्पसंख्यक समुदाय तक भी पहुंच सकती है। कट्टरपंथ की प्रकृति ही ऐसी होती है कि वह अंततः पूरे समाज को निगल जाती है। इसलिए बांग्लादेश के प्रबुद्ध नागरिकों, बुद्धिजीवियों और लोकतांत्रिक ताकतों को भी आगे आकर इस हिंसा के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए।

अंत में यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि बांग्लादेश एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। या तो वह अपने संविधान में निहित धर्मनिरपेक्षता, सहिष्णुता और अल्पसंख्यक सुरक्षा के सिद्धांतों को मजबूती से लागू करे, या फिर कट्टरपंथ और अराजकता के रास्ते पर फिसलता चला जाए। भारत का वीजा सेवाओं पर रोक का फैसला एक चेतावनी है, एक अवसर भी है कि बांग्लादेश आत्ममंथन करे। हिन्दुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना केवल भारत की अपेक्षा नहीं, बल्कि बांग्लादेश के अस्तित्व और अंतरराष्ट्रीय सम्मान के लिए भी अनिवार्य है। जब तक वहां का हिन्दू खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करेगा, तब तक यह कहना कठिन होगा कि बांग्लादेश में हालात सामान्य हैं।

कांतिलाल मांडोत

संपादकीय

राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवसः अधिकार, जिम्मेदारी और जागरूकता

भारत में 24 दिसंबर को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि उपभोक्ता अधिकारों, न्याय और नागरिक चेतना की निरंतर यात्रा का प्रतीक है। यह दिन हमें यह सोचने का अवसर देता है कि बाजार में हमारी भूमिका केवल खरीदने-बेचने तक सीमित नहीं है, बल्कि हम एक ऐसे लोकतांत्रिक तंत्र का हिस्सा हैं जहाँ उपभोक्ता की सजगता ही पारदर्शिता और जवाबदेही की सबसे बड़ी गारंटी बनती है। उपभोक्ता सशक्तिकरण का विचार आज जितना प्रासंगिक है, उतना शायद पहले कभी नहीं रहा, क्योंकि बाजार का विस्तार जितनी तेज़ी से हुआ है, चुनौतियाँ भी उतनी ही जटिल होती चली गई हैं।

राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस का ऐतिहासिक आधार 24 दिसंबर 1986 से जुड़ा है, जब भारत में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम लागू हुआ। यह कानून उस समय एक क्रांतिकारी कदम माना गया, क्योंकि पहली बार आम नागरिक को यह कानूनी अधिकार मिला कि वह दोषपूर्ण वस्तु, खराब सेवा या अनुचित व्यापारिक व्यवहार के विरुद्ध संगठित रूप से न्याय की मांग कर सके। इससे पहले उपभोक्ता अक्सर बड़े व्यापारिक हितों के सामने स्वयं को असहाय महसूस करता था। यह अधिनियम न केवल न्याय का माध्यम बना, बल्कि इसने यह संदेश भी दिया कि बाजार की शक्ति उपभोक्ता की संतुष्टि और सुरक्षा से ऊपर नहीं हो सकती।

वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो उपभोक्ता अधिकारों की अवधारणा 1962 में उस समय स्पष्ट रूप से सामने आई जब अमेरिका के राष्ट्रपति जॉन एफ. केनेडी ने उपभोक्ताओं के चार मूल अधिकार—सुरक्षा, सूचना, विकल्प और सुनवाई—की बात की। भारत ने इन सिद्धांतों को अपने सामाजिक-आर्थिक संदर्भ में आत्मसात करते हुए उन्हें कानूनी स्वरूप दिया। यही कारण है कि राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस केवल एक स्मरण-दिवस नहीं, बल्कि उस सामाजिक संकल्प का प्रतीक है जिसमें उपभोक्ता को कमजोर नहीं, बल्कि सशक्त इकाई के रूप में देखा गया।

समय के साथ बाजार का स्वरूप बदला और इसके साथ-साथ उपभोक्ता चुनौतियाँ भी बदलीं। 1986 का कानून अपने समय के लिए पर्याप्त था, लेकिन डिजिटल क्रांति, ई-कॉमर्स, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं और आक्रामक विज्ञापन संस्कृति ने उपभोक्ता हितों को नए जोखिमों के सामने ला खड़ा किया। इसी पृष्ठभूमि में 2019 का उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम लागू किया गया, जिसने कानून को आधुनिक युग के अनुरूप बनाया। नकली और भ्रामक विज्ञापनों पर नियंत्रण, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म की जवाबदेही, केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण की स्थापना और विवादों के त्वरित समाधान के लिए मध्यस्थता व्यवस्था—ये सभी सुधार इस बात का संकेत हैं कि राज्य ने उपभोक्ता सुरक्षा को केवल कानूनी नहीं, बल्कि प्रशासनिक प्राथमिकता भी बनाया है।

फिर भी, कानून तभी प्रभावी होता है जब नागरिक उससे परिचित हों। उपभोक्ता अधिकारों का ज्ञान ही उपभोक्ता सशक्तिकरण की पहली शर्त है। सुरक्षा का अधिकार यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी वस्तु या सेवा उपभोक्ता के जीवन और स्वास्थ्य के लिए खतरा न बने। सूचना का अधिकार बाजार में पारदर्शिता लाता है, ताकि उपभोक्ता जान-समझकर निर्णय ले सके। विकल्प का अधिकार प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देता है और एकाधिकार को चुनौती देता है। सुनवाई और न्याय का अधिकार उपभोक्ता को यह विश्वास देता है कि उसकी शिकायत अनसुनी नहीं जाएगी। इसके साथ ही उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार यह जिम्मेदारी राज्य पर डालता है कि वह नागरिकों को उनके अधिकारों और उपलब्ध उपायों के प्रति जागरूक करे।

डिजिटल युग में यह जिम्मेदारी और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। ऑनलाइन खरीदारी ने सुविधाओं के नए द्वार खोले हैं, लेकिन इसके साथ साइबर धोखाधड़ी, नकली समीक्षाएँ, डेटा की गोपनीयता से जुड़ी चिंताएँ और उपभोक्ता की सीमित समझ जैसी समस्याएँ भी बढ़ी हैं। करोड़ों उपभोक्ता डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे हैं, परंतु उनमें से सभी अपने अधिकारों और शिकायत निवारण की प्रक्रियाओं से परिचित नहीं हैं। ऐसे में राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि व्यवहारिक जागरूकता अभियान का रूप लेता है।

सरकार की विभिन्न पहलें—जैसे राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन, ई-दाखिल पोर्टल, शिकायत निवारण के डिजिटल प्लेटफॉर्म और 'जागो ग्राहक जागो' जैसे अभियानों—ने उपभोक्ता सशक्तिकरण को जन-आंदोलन का रूप देने की कोशिश की है। इन प्रयासों ने यह स्पष्ट किया है कि उपभोक्ता अब अकेला नहीं है; उसके पास शिकायत दर्ज करने, समाधान पाने और न्याय की मांग करने के साधन मौजूद हैं। लेकिन इन साधनों की वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि नागरिक उनका उपयोग कितनी सजगता और समझ के साथ करते हैं।

यह भी उतना ही सच है कि अधिकारों के साथ-साथ उपभोक्ता की जिम्मेदारियाँ भी होती हैं। एक जागरूक उपभोक्ता केवल अपने हित तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह नैतिक उपभोग, गुणवत्ता की मांग और पर्यावरणीय संतुलन जैसे मुद्दों पर भी विचार करता है। वह यह समझता है कि उसका हर खरीद निर्णय किसी न किसी रूप में समाज, श्रम और पर्यावरण को प्रभावित करता है। इस दृष्टि से उपभोक्ता सशक्तिकरण केवल कानूनी सुरक्षा का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का भी विषय है।

अंततः राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस हमें यह याद दिलाता है कि उपभोक्ता और नागरिक के बीच की रेखा बहुत पतली है। एक सजग उपभोक्ता ही जिम्मेदार नागरिक बन सकता है और एक जिम्मेदार नागरिक ही स्वस्थ बाजार व्यवस्था की नींव रख सकता है। जब उपभोक्ता अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होंगे, शिकायत करने से नहीं हिचकेंगे और साथ ही अपने कर्तव्यों को भी समझेंगे, तभी बाजार में पारदर्शिता, ईमानदारी और विश्वास का वातावरण बनेगा। इस 24 दिसंबर को आवश्यकता इस बात की है कि उपभोक्ता दिवस को केवल औपचारिक आयोजन तक सीमित न रखकर, इसे निरंतर जन-जागरण की प्रक्रिया का हिस्सा बनाया जाए, ताकि 'जाग्रत उपभोक्ता—मजबूत राष्ट्र' का विचार व्यवहार में साकार हो सके।

महेन्द्र तिवारी

शर्मनाकः हर साल एक लाख अस्सी हजार लोगों की सड़कों पर मौत

देश की सड़कों पर दुर्घटनाओं में रोजाना करीब पांच हजार लोगों का खून बह रहा है। यह हम नही कह रहे खुद केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री लोकसभा में जानकारी देते हैं। उनके शब्दों में इस अक्षम्य अव्यवस्था के लिए कोई शर्मिंदगी भी नही है। वह लोकसभा में प्रश्नोत्तर में बताते हैं कि देश में हर साल सड़क दुर्घटनाओं में एक लाख 80 हजार लोगों की मौतें हो जाती हैं। इन मौतों में 67 प्रतिशत वे लोग हैं, जिनकी उम्र 18 से 34 साल के बीच है। एम्स की एक रिपोर्ट हाल ही में सामने आई है, जिसमें बताया गया है कि दुर्घटना का शिकार हुए लोगों को अगर समय से इलाज मिल जाए, तो 50 हजार लोगों की जान बचाई जा सकती है। केन्द्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने देश की सड़कों पर होने वाली यातायात उबंधन की घटनाओं के मद्देनजर अपनी हताशा व्यक्त की है। ये बढ़ोत्तरी मोटर वाहन अधिनियम 2019 में किए गए संशोधनों के बाद देखा गया है। एक तरफ जहां, इस संशोधन से व्यापक यातायात उबंधन में वृद्धि पर रोक लगने की उम्मीद थी, वहीं दूसरी तरफ पाया ये गया कि इन सभी बदलावों के बाद भी उल्लंघन की घटनाओं में किसी प्रकार की कोई महत्वपूर्ण कमी नहीं देखी जा रही है। इसके बजाय, 2019 की तुलना में सड़क दुर्घटनाओं में निरंतर निरंतर वृद्धि ही हुई है। बढ़ाए गए जुर्माने की राशि द्वारा मनचाहा परिणाम नहीं मिलने की स्थिति ने परिवहन मंत्री को इस बात से तो पूरी तरह आश्वस्त कर दिया है की मात्र जुर्माने की राशि में इजाफा करने भर से इस मुद्दे को निपटने में आंशिक मदद ही मिल पाएगी। अब से ऐसा मानते हैं कि इसके बेहतर परिणाम पाने के लिए हमें सामाजिक एवं शैक्षणिक संगठनों की मदद लेनी चाहिये और उसके जरिये लोगों में व्यवहार परिवर्तन करना चाहिये। हालांकि मंत्रालय ऐसा कर भी रहा है। उन्होंने कहा कि 2022 में, कूकुल 50,029 लोगों के हेलमेट के इस्तेमाल नहीं करने को वजह से, अपनी जान गंवाने के बाद इन दो पहिया वाहन निर्माता कंपनियों को वाहन खरीदने वाले लोगों को रियायती दरों पर हेलमेट दिया जाना चाहिये। दरअसल भारतीय सड़कों पर चलने वाले लोगों में 'लेन अनुशासन' की कमी, नियंत्रित एक्सप्रेसर्व पर अधिकतम गति सीमा में वृद्धि कहीं न कहीं जिम्मेवार है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के 2023-24 में प्रकाशित वार्षिक रिपोर्ट 2022 के कैलेंडर वर्ष 2022 में घंटे दुर्घटनाओं के आंकड़े साझा करती है। इस वर्ष के दौरान 461,312 दुर्घटनाओं में 443,366 लोग घायल हुए और कुल 168,491 लोग मारे गए। वर्ष 2005 ने कुल 94,968 मौतें दर्ज की हैं। 17 सालों में सड़क हादसे में होने वाली मौतों 177 प्रतिशत वृद्धि दर्ज हुई है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि साल 2022 में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में कुल मिलाकर जितनी मौतें हुई हैं, उनमें दुपहिया वाहनों की वजह से कुल 44.5 प्रतिशत मौतें हुई हैं। इनमें जान गंवाने वाले पैदलयात्री 19.5 प्रतिशत, हल्के मोटर वाहन से मरने वाले 12.5 प्रतिशत, भारी वाहनों से मरने वाले लोगों की संख्या 6.3 प्रतिशत, ऑटोरिक्शा से मरने वाले 3.9 प्रतिशत, साइकिल से 2.9 प्रतिशत और बसों से मरने वाले वाले लोगों की संख्या 2.4 प्रतिशत थी, जबकि बाकी अन्य वजहों से मरने वाले कुल 8 प्रतिशत थे। राष्ट्रीय राजमार्गो और एक्सप्रेस-वे में ही 39.2 प्रतिशत सड़क दुर्घटनाएं और 36.2 प्रतिशत मौतें दर्ज हुई हैं। राज्य राज्यमार्गो पर घटी कुल 23.1 प्रतिशत दुर्घटनाओं में 24.3 प्रतिशत मौतें हुई है। बाकी अन्य सड़कों पर हुई 43.9 प्रतिशत दुर्घटनाओं में 39.4 प्रतिशत मौतें हुई है। सबसे ज्यादा दुर्घटनाओं की संख्या तमिलनाडु में दर्ज की गई है, वहीं उत्तर प्रदेश में दुर्घटनाओं में मारे जाने वाले लोगों की संख्या सबसे अधिक है, और वर्ष 2022 में होने वाली कुल 72.3 प्रतिशत सड़क दुर्घटनाओं और 72.1 प्रतिशत के दर से होने वाली कुल मौत के के लिए, सड़कों पर ओवर स्पीडिंग चलाने की वजह से 5.4 प्रतिशत दुर्घटनाएं होती है। आश्चर्यजनक रूप प्रमुख तौर पर जिम्मेदार है। गलत दिशा में वाहन प्रतिशत दुर्घटनाएं सीधी सड़कों पर हुई है। घुमावदार, खड़ी, और गड्डों वाली सड़कों पर महज 13.8 प्रतिशत घटनाएं घटी है। दुर्भाग्यवश, 66.5 प्रतिशत घटी दुर्घटनाओं में 18-45 वर्षो की उम्र सीमा के बीच के लोग शिकार रहे हैं, और वे लोग जो 18-60 वर्ष के कामकाजी समूह से संबंधित है, उनका इन सड़क दुर्घटनाओं में हताहत होने का प्रतिशत 83.4 रहा है। उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, जो सड़क दुर्घटनाएं होती हैं उनमें से कुल 16.6 प्रतिशत सड़क दुर्घटनाएं और कुल 10.1 प्रतिशत सड़क पर होने वाली मौतें इन्हीं 10 मिलियन प्लस की आबादी वाले शहरों में होती है। पिछले कुछ वर्षो की तुलना में ये उल्लेखनीय रूप से कुछ ज्यादा ही थे। इसके अलावा, सभी मिलियन प्लस (लाखों की आबादी) वाले शहरों में सड़क दुर्घटनाओं का योगदान 46 प्रतिशत है। इंदौर और जबलपुर को पीछे छोड़ते हुए, दिल्ली ने होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की सूची में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। अमृतसर, धनबाद और जमशेदपुर ने सबसे कम सड़क दुर्घटनाओं को सूचिबद्ध किया है। इन दुर्घटनाओं की वजह व्यापक तौर पर देशभर में कमोबेश एक जैसी प्रवृत्ति से मेल खाती है। हालांकि, देश की कुल आबादी के 40 प्रतिशत लोग इन मिलियन प्लस शहरों में ही बसे हैं, इस कारण शहरी सड़कें ज्यादा सुरक्षित बन कर उभर रहीं हैं। प्रति वर्ष विश्व स्वास्थ्य संस्थान वैश्विक स्थिति रिपोर्ट जारी करती है। ताजा रिपोर्ट में सड़क दुर्घटनाओं के लिए प्रमुख रूप से तीव्र गति से वाहन चालान, शराब या फिर अन्य साइको एक्टिव पदार्थो के सेवन, बगैर हेलमेट के मोटरसाइकिल चलाना, सीट बेल्ट और बच्चों पर प्रतिबंध, गाड़ी चलाने के वक्त मोबाइल फोन का इस्तेमाल, सड़कों का असुरक्षित डांबा, असुरक्षित वाहन, दुर्घटना के बाद अपर्याप्त देखभाल एवं ट्रैफिक नियमों को सही तरीके लागू न किया जाना शामिल है। समस्त वैश्विक वजहें भारतीय संदर्भ में सटीक हैं। जैसे कि उपर कहा गया है, होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की प्रमुख वजह तीव्र गति से वाहन चलाना है, उसके बाद शराब के नशे में गाड़ी चलाना, और गाड़ी चलाने के दौरान एकाग्रता की कमी भी प्रमुख वजह है। सड़क इंजीनियरिंग में त्रुटियाँ, अचानक से सामने आ जाने वाले पॉटहोल अथवा खडे, अधिक पुराने पड़ चुके वाहन एवं ओवरलोडिंग आदि भी कुछ अन्य कारक हैं। हालांकि, स्थानीयता से जुड़े लोगों की कुछ विशेष आदतें भी हैं जो इसकी वजह है। लिस्ट किए गए प्रमुख कारण जो दुर्घटना को अंजाम देती है उसमें, सड़क की गलत दिशा में गाड़ी चलाने से होने होने वाली सड़क दुर्घटनाओं (4.9 प्रतिशत), (4.9 प्रतिशत), लाल बत्ती की अनदेखी (0.9 प्रतिशत दुर्घटनाए) करना भी एक कारण है। इसके अलावा अफरा तफरी के माहौल में लापरवाही पूर्वक गाड़ी चलाना आदि शामिल है। इस वजह से परिवहन मंत्री द्वारा भारत के सड़कों पर व्याप्त अनियमितताओं पर की गई टिप्पणी काफी हद तक सही है। इन मुद्दों को संबोधित करने के लिये जरूरी है कि एक जनजागरण अभियान चलाया जाये। इससे लोगों को उनके ऐसे व्यवहारों की वजह से पैदा होने वाले खतरों के बारे में शिक्षित किया जा सकेगा एवं उन्हें जिम्मेदार एवं अनुशासित सड़क व्यवहार के लिये प्रोत्साहित किया जा सकेगा। सबसे पहले तो, देश के भीतर सड़कों के ढांचागत विस्तार के संबंध में किए गए अभूतपूर्व कार्यो की पहचान की जाने की जरूरत है। हालांकि सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी वाहनों की गुणवता में काफी सुधार हुए हैं। हल्के मोटर वाहन अब आवश्यक सुरक्षा एयरबैग से लैस हैं। हालांकि, बढ़ते सड़क, बढ़ते बाहन और बढ़ती आबादी, सड़कों पर लोग एवं वाहनों की भारी उपस्थिति के परिणामस्वरूप काफी अधिक संख्या में दुर्घटनाओं के घटने की संभावना रहती है। उच्चस्तरीय सड़क अपराध की घटनाओं के साथ मिलकर, सड़कों पर होने वाले विविध दुर्घटनाओं के लिए एक बेहद मजबूत संयोजन का निर्माण करती है। ये ध्यान देना अनिवार्य है कि होने वाली सड़क दुर्घटनाएं ना केवल जान-माल की हानि करती है, बल्कि अर्थव्यवस्था को बर्बाद करती है।

आपको बता दें कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान बताया कि हर साल भारत में 5 लाख सड़क हादसे होते हैं, जिसमें इससे देश की अर्थव्यवस्था पर (स्वास्थ देखभाल की नजर से) भी काफी दुष्प्रभाव पड़ता है। कुल मिलाकर देखा जाए तो प्रति वर्ष सड़क हादसों में युद्ध से अधिक लोग मारे जाते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि बढते सड़क हादसे रोकने के लिए सख्त नीति बनायी जाए। ताकि लोगों को सुरक्षित सफर का अहसास दिलाया जा सके। विश्व में सड़क दुर्घटना में जान गंवाने में भारतीय पहले स्थान पर है यह बेहद शर्मनाक स्थिति है।

मनोज कुमार अग्रवाल

नशे की गिरफ्त में दुनिया,नए भारत के सामने सामाजिक और नैतिक चुनौती

महान साहित्यकार प्रेमचंद ने कहा था– 'युवक वही है जो अपनी ऊर्जा समाज के निर्माण में लगाए, विनाश में नहीं।' यह कथन आज के भारत और विश्व की वर्तमान स्थिति पर बिल्कुल सटीक बैठता है। इक्कीसवीं सदी का भारत एक ओर आर्थिक प्रगति, तकनीकी नवाचार और वैश्विक मंच पर नेतृत्व की ओर अग्रसर है, तो दूसरी ओर नशे की बढ़ती हुई प्रवृत्ति एक ऐसी सामाजिक महामारी के रूप में उभर रही है, जो हमारी युवा चेतना, नैतिक मूल्यों और राष्ट्रीय भविष्य को भीतर से खोखला कर रही है। यह संकट केवल भारत तक सीमित नहीं, बल्कि पूरी दुनिया सूखे नशे और सिंथेटिक ड्रग्स की गिरफ्त में है, जहाँ विकास के साथ विनाश का यह छद्म चेहरा भी तेजी से फैल रहा है।

महात्मा गांधी ने नशे को केवल व्यक्तिगत बुराई नहीं, बल्कि सामाजिक पतन का मूल कारण माना था। उन्होंने स्पष्ट कहा था– 'नशा मनुष्य की विवेक शक्ति को हर लेता है और विवेकहीन समाज स्वतंत्र नहीं रह सकता।' गांधीजी के लिए स्वराज केवल राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं, बल्कि आत्मसंयम और नैतिक अनुशासन पर आधारित था। आज जब नशा व्यक्ति की चेतना और निर्णय क्षमता को नष्ट कर रहा है, तब यह स्वराज की आत्मा पर सीधा आघात है। इसी तरह स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा था– 'ताकत शरीर में नहीं, चरित्र में होती है। जो अपनी इंद्रियों का दास है, वह राष्ट्र का निर्माता नहीं बन सकता।' नशा इंद्रियों को नहीं, बल्कि इंद्रियों के माध्यम से पूरे व्यक्तित्व को दास बना लेता है, और यही कारण है कि नशे में डूबा युवा अपने ही भविष्य का शत्रु बन जाता है।

वैश्विक संदर्भ में देखें तो संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय की रिपोर्टें यह संकेत देती हैं कि दुनिया में ड्रग्स का अवैध कारोबार हथियारों की तस्करी के बाद सबसे बड़ा संगठित अपराध बन चुका है। अरबों डॉलर का यह काला धन आतंकवाद, मानव तस्करी और हिंसक अपराधों को पोषित कर रहा है। भारत की भौगोलिक स्थिति–'गोल्डन क्रीसेंट' और 'गोल्डन ट्रायंगल' के बीच–इसे इस वैश्विक जाल के प्रति और अधिक संवेदनशील बना देती है। नए भारत की समुद्री सीमाएँ, डिजिटल अर्थव्यवस्था और खुला वैश्विक संपर्क जहाँ विकास के प्रतीक हैं, वहीं नशा तस्करों के लिए नए रास्ते भी बनते जा रहे हैं। भगवान बुद्ध ने सदियों पहले चेतावनी दी थी– 'मद्यपान प्रमाद को जन्म देता है और प्रमाद से दुख।' यह कथन आज भी उतना ही सत्य है, क्योंकि नशा व्यक्ति को प्रमाद की अवस्था में ले जाकर अपराध, हिंसा और आत्मविनाश की ओर धकेल देता है।

नशे का सबसे भयावह पहलू यह है कि यह मनुष्य की संवेदना, करुणा और नैतिकता को धीरे-धीरे समाप्त कर देता है। एक बार मस्तिष्क की कार्यप्रणाली प्रभावित होने पर व्यक्ति अपराध करने में संकोच नहीं करता। यही कारण है कि नशे से जुड़े बलात्कार, हत्या, लूट और सड़क दुर्घटनाएँ समाज के लिए स्थायी भय का कारण बनती जा रही हैं।

आचार्य विनोबा भावे ने कहा था– 'जिस समाज में संयम नहीं, वहाँ शांति नहीं।' नशा संयम का सबसे बड़ा शत्रु है और इसलिए सामाजिक अशांति को जन्म देता है। सोशल मीडिया और डार्क वेब के माध्यम से ड्रग्स की आसान उपलब्धता ने किशोरों और युवाओं को इस लत के और निकट पहुँचा दिया है, जहाँ 'फैशन' और 'स्टेटस' के नाम पर विनाश को स्वीकार किया जा रहा है।

फिल्म, ग्लैमर और पार्टी संस्कृति ने अनजाने में नशे को सामान्य और आकर्षक बनाकर प्रस्तुत किया है। रवींद्रनाथ टैगोर ने कहा था– 'जहाँ मन भय से मुक्त हो और विवेक जाग्रत हो, वही सच्ची स्वतंत्रता है।' परंतु नशा भय और भ्रम दोनों को जन्म देता है, जिससे न तो मन मुक्त रहता है और न विवेक जाग्रत। ग्रामीण और अर्धशहरी भारत में सस्ती शराब और नशीली दवाओं का दुरुपयोग गरीबी, घरेलू हिंसा और पारिवारिक विघटन को बढ़ा रहा है, जिससे सामाजिक असमानता और पीढ़ीगत पतन गहराता जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा यह कहना कि 'नशा समाज का नहीं, संकल्प का शत्रु है' इस संघर्ष की दिशा स्पष्ट करता है। यह लड़ाई केवल कानून और पुलिस की नहीं, बल्कि जनचेतना और नैतिक पुनर्जागरण की है। आवश्यकता है एक समन्वित राष्ट्रीय नीति की, जो वैश्विक सहयोग, सख्त प्रवर्तन, डिजिटल निगरानी, प्रभावी पुनर्वास और व्यापक जनजागरूकता को एक साथ आगे बढ़ाए। स्कूलों में जीवन-कौशल शिक्षा, युवाओं के लिए खेल और रचनात्मक अवसर, मीडिया में जिम्मेदार प्रस्तुति और परिवारों में संवाद–ये सभी मिलकर ही इस सामाजिक महामारी को रोक सकते हैं।

अंततः यह प्रश्न केवल स्वास्थ्य या अपराध का नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा और भविष्य का है। यदि भारत को सशक्त और वैश्विक नेतृत्वकर्ता बनना है, तो उसे अपनी युवा शक्ति को नशे के अंधकार से निकालकर सृजन, अनुशासन और मानवता के प्रकाश की ओर ले जाना होगा। जैसा कि महात्मा गांधी ने कहा था– 'भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम आज क्या करते हैं।' आज यदि हम नशे के विरुद्ध सामूहिक संकल्प लें, तो आने वाला भारत स्वस्थ, नैतिक और सुरक्षित होगा। नशा केवल शरीर को नहीं, बल्कि विवेक, मूल्य और भविष्य–तीनों को नष्ट करता है; इसलिए अब समय है कि राष्ट्र एक स्वर में कहे– ड्रग्स मुक्त भारत ही सुरक्षित, सशक्त और विकसित भारत है।

संजीव ठाकुर

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**–उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के लोगों ने जिलाधिकारी को दिया ज्ञापन

सीतापुर 7 भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के बैनर तले जिलाधिकारी महोदय जनपद सीतापुर को किसानो की महत्वपूर्ण समस्याओ से अवगत कराते हुये मांग पत्र सौंपा गया जिसको जिलाधिकारी महोदय के द्वारा पढ़ने के बाद सभी समस्याओं के निराकरण का आश्वाशन दिया। तथा 16 फरवरी 2026 को प्रस्तावित किसान पंचायत में माननीय राकेश टिकैत जी के सीतापुर आने की सूचना भी दी गई। मौके पर जनपद व प्रदेश के पदाधिकारी मौजूद रहे। उमेश पांडे प्रदेश सचिव मयंक सिंह चौहान जिलाध्यक्ष सीतापुर।

हॉकी टूर्नामेंट के तीसरे दिन खेले गए चार मुकाबले

बिसवां सीतापुर: मेला हजरत गुलजार शाह रह0 अलैह के अवसर पर हाकी ग्राउंड में आयोजित हाकी टूर्नामेंट के तीसरे दिन कुल चार मुकाबले खेले गए। पहला मुकाबला शाहजहांपुर और रायबरेली के बीच खेला गया, जिसमें शाहजहांपुर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2-0 से जीत दर्ज की। शाहजहांपुर टीम के राजन को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरा मैच गाजीपुर और शिवगढ़ के मध्य हुआ। शिवगढ़ की टीम ने 3 गोल दागे, जबकि गाजीपुर की टीम केवल 1 गोल ही कर सकी। इस प्रकार शिवगढ़ ने 3-1 से मुकाबला अपने नाम किया। शिवगढ़ टीम के शैजल को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। तीसरा मुकाबला लखीमपुर और बस्ती के बीच खेला गया, जिसमें बस्ती की टीम ने 1 गोल किया, जबकि लखीमपुर की टीम ने 3 गोल दागकर मैच जीत लिया। चौथा और अंतिम मुकाबला कौशाम्बी एवं बाराबंकी के बीच खेला गया, जो बेहद रोमांचक रहा। निर्धारित समय तक मैच ड्रॉ रहा। इसके बाद शूटआउट में बाराबंकी टीम के कप्तान के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत टीम ने 3 गोल कर मुकाबला जीत लिया। इस मैच में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बाराबंकी टीम के कप्तान इब्राहीम को मैन ऑफ द मैच चुना गया। टूर्नामेंट में निर्णायक की भूमिका परवेज अख्तर, मनीष द्विवेदी, खुर्शीद अहमद, फहद खान और दुर्गा प्रसाद ने निभाई। इस अवसर पर समाजसेवी व वरिष्ठ पत्रकार मोहित जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में मेला सपा नेता हसीब अंसारी मौजूद रहे।कार्यक्रम में टूर्नामेंट सचिव मास्टर असलम, इशरत अली, हाजी इसरार खां, राजकुमार रस्तोगी, जैनुल आबदीन, शुऐब खान, रेहान कादरी, नुसरत अली, अन्नू सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी दर्शक उपस्थित रहे।

वर्दी में नशा करने के मामले में कॉन्सटेबल निलंबित, एसपी ने लिया संज्ञान, विभागीय जांच के दिए आदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के सकरन थाना क्षेत्र में तैनात एक पुलिस कर्मी का गांजा पीने और दावत में शराब का सेवन करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक ने संबंधित आरक्षी को निलंबित कर दिया है। कार्रवाई के बाद मामले को लेकर जिलेभर में चर्चाओं का दौर जारी है। जानकारी के अनुसार वायरल वीडियो थाना सकरन की डायल 112 पीआरवी 1814 पर तैनात आरक्षी धर्मेन्द्र कुमार दुबे का बताया जा रहा है जो अभी कुछ समय पहले ही पदोन्नति पाकर उपनिरीक्षक बने थे। आरोप है कि आरक्षी सकरन क्षेत्र स्थित एक स्थान पर रोजाना गांजा पीने के लिए जाया करते थे। इसी दौरान किसी व्यक्ति ने उन्हें गांजा पीते हुए वीडियो बना लिया, जिसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। वीडियो सामने आने के बाद लोगों ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाने शुरू कर दिए। इतना ही नहीं, एक अन्य वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हुआ, जिसमें आरक्षी धर्मेन्द्र कुमार दुबे रात के समय एक दावत में शामिल दिखाई दे रहे हैं इस वीडियो में वह शराब के जाम पीते हुए नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि आरक्षी शराब के नशे में इस कदर चूर थे कि यह भी भूल गए कि वह खाकी वर्दी पहने हुए हैं। वर्दी में ही मांस और मदिरा का सेवन करते हुए किसी ने उनका वीडियो बना लिया, जो सोमवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने तत्काल संज्ञान लिया और जांच के आदेश दिए। जांच की जिम्मेदारी क्षेत्राधिकारी बिसवां

को सौंपी गई थी। प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के आधार पर सोमवार देर रात एसपी ने आरक्षी धर्मेन्द्र कुमार दुबे को निलंबित कर दिया। पुलिस अधीक्षक का कहना है कि अनुशासनहीनता किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मामले की विस्तृत विभागीय जांच जारी है और जांच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी!!

मिशन शक्ति के तहत मिश्रिख पुलिस ने मिश्रिख सीएचसी में महिलाओं को किया जागरूक

मिश्रिख (सीतापुर) महिलाओं की सुरक्षा, जागरूकता एवं सशक्तिकरण के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिश्रिख में एक जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान महिलाओं को उनकी सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की विस्तार से जानकारी दी गई। गोष्ठी में उपस्थित महिला उप निरीक्षक स्वर्णिमा सिंह, कांस्टेबल सुरेंद्र सिंह एवं महिला कांस्टेबल प्रियंका सिंह ने महिलाओं को बताया कि किसी भी आपात स्थिति में वे किन-किन नंबरों पर संपर्क कर सकती हैं। पुलिस टीम द्वारा 112, 1090, 102, 1076, 108, 1930, 181, 101 जैसे महत्वपूर्ण नंबरों की उपयोगिता के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।महिला उप निरीक्षक स्वर्णिमा सिंह ने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों एवं सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा महिलाओं की सहायता के लिए कई हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध कराए गए हैं, जिनका सही समय पर उपयोग करके महिलाएँ स्वयं को सुरक्षित रख सकती हैं। इस अवसर पर स्वास्थ्य केंद्र में उपस्थित महिलाओं एवं स्टाफ ने गोष्ठी में सक्रिय रूप से भाग लिया और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर भी प्राप्त किए। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाना एवं उन्हें सुरक्षा के प्रति सजग बनाना रहा।

बांग्लादेश में हिंदुओ पर हो अत्याचार को लेकर सौपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिश्रिख (सीतापुर) अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल की जिला व प्रखंड टोली सीतापुर के सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की हत्या के विरोध में कस्बा मिश्रिख के तहसील चौराहा पर बांग्लादेश का पुतला फूंक कर महामहिम राष्ट्रपति महोदया को संबोधित पांच सूत्रीय ज्ञापन उपजिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार मिश्र को सौंपा है। इस ज्ञापन में कहा गया है। कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्ता पलट के बाद वहां पर हजारों अल्पसंख्यक हिंदुओं को मौत के घाट उतारा जा चुका है। बांग्लादेश में 1971 जैसे हालात हो गए हैं। हिंदू मंदिरों को तोड़ने व हिंदू घरों को जलाने और लूटपाट की घटनाऐं आम हो रही हैं। मुस्लिम कट्टरपंथियों ने हिंदू युवक दीपू चंद्र दास को मारकर पेड़ पर लटका कर जला दिया। पूर्व प्रधानमंत्री का घर भी आग के हवाले कर दिया। आतंकवादी उस्मान हादी की मृत्यु के बाद ढाका में भारत विरोधी षड्यंत्र किए जा रहे हैं। जिससे पूर्वोत्तर भारत पर खतरा उत्पन्न हो गया है। अल्ला हू अकबर के नारों के साथ मकान और दुकानों में आग लगाई जा रही है। ग्रेटर बांग्लादेश का नक्शा बनाकर भारत की सीमाओं को चुनौती देने की तैयारी की जा रही है। जिससे वहां के अल्पसंख्यक हिंदुओं का जीवन खतरे में है। उन्होंने चेतावनी दी है। कि अगर यह अत्याचार सीघ्र बंद नहीं हुआ तो अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद/राष्ट्रीय बजरंग दल पूरे देश में बांग्लादेश के विरोध में आंदोलन करने पर मजबूर हो जाएगा। इस अवसर पर महंत नन्हकू दास, विमलानंद स्वामी, शशिकांत मिश्रा, देवेश पांडेय, लवकुश शुक्ला बजरंगी, अभिषेक शुक्ला, अतुल मिश्रा, दिवाकर तिवारी, अंशुल मिश्रा, कुलदीप त्रिवेदी, विवेक सिंह चौहान, शिवम यादव, रंजीत यादव आदि सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महिला SI ने मां बेटे को परिजनों से मिलाया, अस्पताल के बाहर मिली मानसिक रूप से अस्वस्थ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में जहां एक ओर घने कोहरे और शीतलहर ने जनजीवन को प्रभावित कर रखा है, वहीं दूसरी ओर यूपी पुलिस का सराहनीय और मानवीय चेहरा सामने आया है ठंड और कोहरे के बीच पुलिस की सतर्क रात्रि गश्त ने एक असहाय महिला और उसकी मासूम बच्ची को सुरक्षित उनके परिजनों तक पहुंचाने का काम किया। घटना 23 दिसंबर सोमवार देर रात की है। कोतवाली नगर में तैनात रात्रि अधिकारी ड्यूटी के दौरान उप निरीक्षक स्वाती चतुर्वेदी अपनी टीम के साथ गश्त पर थीं। इसी दौरान करीब रात 2 बजे जिला अस्पताल के आसपास एक महिला अपने गोद में करीब 7 माह की बच्ची को लिए असहाय अवस्था में खड़ी मिली घने कोहरे और कड़ाके की ठंड के बीच महिला की हालत देखकर पुलिस टीम ने तुरंत उससे संपर्क किया। प्यार और संवेदनशीलता के साथ पूछताछ करने पर प्रतीत हुआ कि महिला मानसिक रूप से पूर्णतः स्वस्थ नहीं है। महिला किसी प्रकार का मोबाइल नंबर या स्पष्ट जानकारी नहीं दे पा रही थी। हालांकि, उसके हाथ पर 'राकेश कुमार की पत्नी रेनू देवी' का नाम गुदा हुआ पाया गया। महिला उपनिरीक्षक ने बताया कि बातचीत के दौरान यह जानकारी

सामने आई कि महिला थाना रामकोट क्षेत्र की निवासी हो सकती है इस पर उप निरीक्षक स्वाती चतुर्वेदी द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए कंट्रोल रूम के माध्यम से थाना रामकोट से संपर्क किया गया बीट सिपाही की मदद से महिला के पिता सरवन पुत्र मैकू और भाई आशीष, निवासी ग्राम पिपरी करियामऊ, थाना रामकोट से संपर्क स्थापित हुआ। सूचना मिलते ही महिला के पिता और भाई जिला अस्पताल सीतापुर पहुंचे। आवश्यक विधिक कार्रवाई एवं थाना रामकोट से समन्वय स्थापित करने के बाद महिला और उसकी 7 माह की बच्ची को सकुशल परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। महिला के पिता ने बताया कि उनकी बेटी मानसिक रूप से विक्षिप्त है और गलती से घर से निकल गई थी। पिता अपनी बेटी को पाकर पुलिस को धन्यवाद दिया। इस सराहनीय कार्य में आरक्षी सत्यम (सदर चौकी), आरक्षी पुष्पेंद्र (अस्पताल चौकी), आरक्षी शमशाद (रोडवेज चौकी) और अंकुश का भी विशेष योगदान रहा!!

मुंशी/मौलवी, आलिम परीक्षा शुल्क जमा करने, आवेदन पत्रों को पोर्टल पर भरने व लॉक करने की अंतिम तिथियां निर्धारित

रायबरेली, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी रायबरेली महिमा ने जनपद रायबरेली में संचालित समस्त अनुदानित/मान्यता प्राप्त आलिया स्तर के मदरसों के प्रधानाचार्यों से कहा है कि रजिस्ट्रार, उ0प्र0 मदरसा शिक्षा परिषद, लखनऊ द्वारा संचालित मुंशी/मौलवी (सेकेण्डरी अरबी/फारसी), आलिम (सीनियर सेकेंडरी अरबी/फारसी) परीक्षा वर्ष 2026 के परीक्षाओं हेतु संस्थागत/व्यक्तिगत आवेदन पत्र प्रधानाचार्य की आई0डी0 से मदरसा पोर्टल पर भरने आदि की कार्यवाही से सम्बन्धित समय-सारणी निर्गत की गयी है। जिसके अनुसार परीक्षा वर्ष 2026 हेतु निर्धारित परीक्षा शुल्क ट्रेजरी चालान के माध्यम से राजकीय कोष में जमा करने की अन्तिम तिथि 24 दिसम्बर निर्धारित की गयी है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने बताया है कि मदरसे के प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या द्वारा छात्र/छात्राओं का परिषद की मुंशी/मौलवी (सेकेण्ड्री फारसी/अरबी), आलिम (सीनियर सेकेण्ड्री फारसी/अरबी) परीक्षा वर्ष 2026 के आवेदन पत्रों को ऑनलाइन मदरसा पोर्टल पर भरने की अन्तिम तिथि 26 दिसम्बर 2025, आवेदन पत्रों को लॉक करने की अंतिम तिथि 22 दिसम्बर 2025 है। उन्होंने बताया कि आवेदन पत्रों को नियमानुसार मदरसा पोर्टल पर लॉक करने की अन्तिम तिथि 29 दिसम्बर 2025 निर्धारित की गयी है।

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति (भावना) के निर्धन जन सेवा प्रकोष्ठ द्वारा ग्राम्यांचलों में कम्बल वितरण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में द्वितीय कैम्प दिनांक 23-12-2025 (मंगलवार) को प्रातः 11.30 बजे ग्राम मुसपिपरी (विकास खण्ड बीकेटी) जनपद लखनऊ में आयोजित किया गया। इस जगह ग्राम हिम्मत पुरवा, उमरिया, थकतला, रामनगर, बेलही, गढ़ी उमरिया। रानी पुरवा, दुबे पुरवा के लाभार्थी थे। भावना संस्था द्वारा ग्रामीण लोगों को अन्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई और उन्हें स्ट्रक्र स्वास्थ परीक्षण, ऊर्जा संरक्षण के बारे में भी जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम में भावना संस्था की कार्यकारिणी के सदस्य श्री रामलाल गुप्ता जी अध्यक्ष, प्रभात किरण चौरसिया महासचिव कार्यान्वयन, जगमोहन लाल जायसवाल जी महासचिव प्रशासन, सुधीर कुमार वर्मा प्रमुख महासचिव, अमरनाथ

धवन जी संयोजक ग्राम्यांचल निर्धन सहायता योजना, सतीश कुमार, आदित्य प्रताप सिंह, अनिल खन्ना, विनोद कपूर, प्रो0 डॉ0 राम सज़ीवन शुक्ला, चंद्र शेखर आजाद जी, आर0डी0 स्वर्णकार एवं अन्य कई सदस्य भी उपस्थित रहे और लाभान्वित ग्राम के ग्राम प्रधान कुसमा यादव जी एवं गांव के बड़े बुजुर्ग बड़ी संख्या में उपस्थित हुए।

इस कार्यक्रम में मुसपिपरी ग्राम सभा के अंतर्गत आने वाले कई गांव के गरीब वृद्ध निर्बल लोगों को 100 ऊनी कंबल

वितरित किए गए साथ ही सदस्यों द्वारा ले गए ऊनी कपड़े भी गरीबों में वितरित किए गए। भावना संस्था की तरफ से इस जाड़े के सीजन में यह दूसरा कैंप आयोजित किया गया है और भविष्य में अभी लगभग आठ और शिविर आयोजित किए जाएंगे जिनमें लगभग 800 ऊनी कंबल का वितरण किया जाना है। गरीब बच्चों के लिए संचालित विभिन्न स्कूलों में गरीब छात्रों को स्वेटर और मफलर और वहां के शिक्षकों को कंबल और शाल वितरित किए जाएंगे।

ग्राम समाज की जमीन पर लगे दबंगों ने कटवा लिए पेड़ प्रार्थी ने उपजिलाधिकारी से की शिकायत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज (रायबरेली) थाना चंदापुर क्षेत्र के ग्राम ककरहिया मजरे दौतरा निवासी राजेश पासी ने दबंगों पर ग्राम सभा की सहन भूमि पर लगे पेड़ों को अवैध रूप से कटवाने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित ने इस संबंध में उप जिलाधिकारी महराजगंज को शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है।

आपको बता दें कि, राजेश पासी का आरोप है कि गांव की सहन भूमि पर कई वर्षों से लगे लगभग 20 पेड़ थे जिनमें कीकड़, नीम, बांस कोठी और बबूल शामिल थे,जिनको विपक्षीगण दिग्विजय सिंह, दुर्योधन सिंह व लोचन सिंह पुत्र हीरा सिंह द्वारा अवैध रूप से कटवा दिया गया आरोप है कि पेड़ों को कटवाने के बाद जेसीबी मशीन से उनके ठूंठ तक खुदवाकर गायब कर दिया गया, ताकि सबूत न बच सके पीड़ित के अनुसार जब उसने इस अवैध कार्य का विरोध किया तो आरोपियों ने गाली-गलौज की और मारपीट पर आमादा हो गए और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए जिससे गांव में दहशत का माहौल बन गया राजेश पासी ने उपजिलाधिकारी को दिए गए शिकायती पत्र में मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच

कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाए तथा ग्राम सभा की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए।

मामले में उपजिलाधिकारी ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है टीम भेज कर जांच कर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

राजकीय बालिका हाई स्कूल में वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली: क्षेत्र के मऊ गांव स्थित राजकीय बालिका हाई स्कूल में सोमवार को वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामचंद्र तिवारी (सेवानिवृत्त पोस्टमैन) तथा विशिष्ट अतिथि महफूज आलम रहे। अतिथियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को ट्रॉफी एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। आपको बता दें कि, कार्यक्रम के दौरान खेलकूद एवं शैक्षिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें कबड्डी, गोला फेंक एवं निबंध प्रतियोगिता प्रमुख रहीं। कबड्डी प्रतियोगिता में छात्राओं में खुशी, सौम्या, शगुन, दिव्या, मंजू, रूप एवं मोहिनी तथा छात्रों में तौफीक, प्रमोद, रंजीत, सोनू, सूरज, अबरार एवं अगवेद ने सहभागिता करी।

गोला फेंक प्रतियोगिता में छात्राओं में

रिंकी, खुशी एवं शांति जबकि छात्रों में सोनू, शिवबरन, अनुराग, सनी एवं राज ने भाग लिया। वहीं निबंध प्रतियोगिता में छात्राओं प्रज्ञा, रुचि एवं सलोनी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्या पूजा सिंह ने आए हुए अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित कर बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करी। इस मौके पर शिक्षक अर्चना सिंह, सहायक अध्यापिकाएं सत्यवती एवं अर्चना, पीटीए शिक्षक अंकित, आउटसोर्स कर्मी दिव्या सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना का पोर्टल 19 दिसंबर से संचालित

योजना के लाभ के लिए करें ऑनलाइन आवेदन

रायबरेली, जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा ने बताया है कि महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के पोर्टल का 19 दिसम्बर 2025 को निदेशक, महिला कल्याण, उ0प्र0 लखनऊ द्वारा शुभारम्भ किया गया है। पोर्टल वर्तमान में सुचारू रूप से कार्य कर रहा है। उन्होंने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के आवेदन पत्र ऑफ लाइन स्वीकार नही किये जायेगे। आवेदन पत्र आनलाइन पोर्टल https://mbsyup.in पर करते हुए जिला बाल संरक्षण इकाई, कार्यालय कलेक्ट्रेट, रायबरेली को अवगत कराना सुनिश्चित करेंगे। आवेदनकर्ता अधिक जानकारी के लिए वीरेन्द्र पाल, संरक्षण अधिकारी, मोबाइल नम्बर 9795638527 पर सम्पर्क कर सकते है।

दोस्त पर पत्नी को बहला-फुसलाकर भगाने का आरोप, धर्मांतरण व जान से मारने की धमकी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक ने अपने दोस्त पर पत्नी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला की तलाश के लिए पुलिस टीम लगाई गई है।

पूरेपूरन मजरे चांदा टीकर गांव निवासी जीवनदीप ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि वह रोजगार के सिलसिले में गुजरात के सूरत शहर में किराए के मकान में रहता था। वहीं उसकी पहचान भरथना वेदांता, अमरोली (सूरत) निवासी दानिश खान से हुई थी। दोनों के बीच दोस्ती हो गई थी।

पीड़ित के अनुसार, 10 अक्टूबर को दिवाली के मौके पर वह अपने गांव आया था। इसी दौरान दानिश भी उसके साथ गांव आ गया। आरोप है कि 15 अक्टूबर को सुबह करीब 11 बजे, जब जीवनदीप घर पर मौजूद नहीं था, तभी दानिश उसकी पत्नी को बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया।

पीड़ित का कहना है कि उसकी पत्नी अपने साथ लगभग डेढ़ लाख रुपये नकद और जेवर भी ले गई है। जब उसने दानिश से फोन पर संपर्क किया तो आरोपी ने धमकी देते हुए कहा कि वह अपनी पत्नी को भूल जाए। आरोप है कि दानिश ने महिला का धर्मांतरण कराकर अपने साथ रखने की बात कही और बड़ी गैंग से जुड़े होने का दावा करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित ने आशंका जताई है कि आरोपी उसकी पत्नी से नकदी और जेवर छीनकर उसकी हत्या भी कर सकता है। इस संबंध में इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। महिला की तलाश के लिए पुलिस टीम गठित कर दी गई है और मामले की जांच की जा रही है।

विधवा पेंशनर फैमिली आईडी संख्या 30 दिसम्बर तक कराए उपलब्धः जयपाल वर्मा

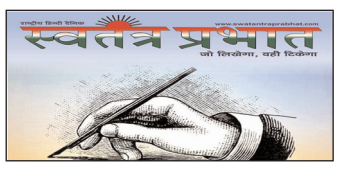

रायबरेली, जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा ने महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन (विधवा पेंशन) प्राप्त कर रही समस्त लाभार्थियों से कहा है कि जिन लाभार्थियों के पास राशन कार्ड उपलब्ध है, वह राशनकार्ड संख्या एवं जिन लाभार्थियों का किसी कारणवश राशन कार्ड नहीं बन पाया है, वह लाभार्थी जन सुविधा केंद्र के माध्यम से फैमिली आई0डी0 बनवाते हुए फैमिली आई0डी0 संख्या 30 दिसम्बर 2025 तक जिला प्रोबेशन कार्यालय, विकास भवन, रायबरेली में उपलब्ध करा दें। अन्यथा वित्तीय वर्ष 2025-26 के तृतीय तिमाही का भुगतान किया जाना संभव नहीं होगा।

विदेश भेजने के नाम पर एक करोड़ की ठगी, मकान मालिक समेत छह पर मुकदमा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। विदेश भेजने के नाम पर युवकों से ठगी करने वाले गिरोह के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में मकान मालिक समेत छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है। आरोपी टूर एंड ट्रैवल कंपनी का ऑफिस खोलकर लोगों से लाखों रुपये वसूलने के बाद फरार हो गए।

उन्नाव जिले के भूपखेड़ा मवई निवासी सूर्यपाल यादव ने पुलिस अधीक्षक को तहरीर देकर बताया कि डलमऊ रोड स्थित डीहवा चौराहे पर मोनू यादव के मकान में न्यू बैसवारा टूर एंड ट्रैवल कंपनी का ऑफिस संचालित हो रहा था। आरोप है कि ऑफिस के प्रोपराइटर रोहित कुमार, मैनेजर जाकिया खान और तीन अन्य कर्मचारियों ने उसे अजरबैजान भेजने का झांसा दिया। पीड़ित के अनुसार आरोपियों ने उससे 50 हजार रुपये नकद और 40 हजार रुपये ऑनलाइन लिए। इसके बाद फर्जी वीजा और पासपोर्ट दिखाकर उसे गुमराह किया गया। कुछ समय बाद आरोपी रुपये लेने के बाद फरार हो गए। जब पीड़ित ऑफिस पहुंचा तो वहां ताला लटका मिला।

जांच में सामने आया कि आरोपी करीब 15 दिन पहले ही ऑफिस बंद कर गायब हो चुके थे। पीड़ितों का आरोप है कि इस गिरोह ने सौ से अधिक लोगों से करीब एक करोड़ रुपये की ठगी की है। पीड़ित ने मकान मालिक की भूमिका भी संदिग्ध बताते हुए आरोप लगाया कि उसने कंपनी की विश्वसनीयता की गारंटी दी थी। अब पूछताछ करने पर वह टालमटोल कर रहा है और धमकी भी दे रहा है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

सूचना

सूचित किया जाता है कि प्रार्थी की सम्पत्ति भूखंड संख्या 11 व भूखंड संख्या 12 जो खसरा संख्या 869 का मिनजुम्ला है जिसका रकबा 5000 वर्ग फिट है स्थित ग्राम कमलाबाद बड़ौली परगना महोना तहसील बक्शी का तालाब जनपद लखनऊ, जिसका बैनामा श्रीमती अरुणिमा ओझा पत्नी चंद्रशेखर ओझा के पक्ष में दिनांक 13/07/2006 को पुस्तक-1, खण्ड न0 1380, पृष्ठ 41/66, क्रमांक नं0 3527/06, उप निबन्धक बक्शी का तालाब लखनऊ में पंजीकृत था।

उक्त मन बैनामा छायाप्रति कराते समय दिनांक 10-11-2025 को प्रार्थी से बक्शी का तालाब क्षेत्र में कही खो गया। सम्बन्धित बैनामा प्रार्थी की संपत्ति की चैन डीड़ है।

कृपया मूल बैनामा मिलने पर निम्न पते पर देने का कष्ट करे। प्रार्थी इस सम्बन्ध में श्रीमान जी को सूचना दे रहा है।

प्रार्थी
प्रशांत कुमार यादव पुत्र जगतपाल यादव नि0 ग्राम तरहिया परगना महोना तहसील बख्शी का तालाब जनपद लखनऊ
मो0 न0 9936191256
8707546918

चलती कार तालाब में डूबी तकनीकी खराबी के बाद स्टार्ट करते ही हुआ हादसा, चालक ने कूदकर बचाई जान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के महमूदाबाद कोतवाली इलाके में मंगलवार को कस्बे में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब सिधौली रोड स्थित एक तालाब में अचानक एक कार डूब गई। हादसा उस वक्त हुआ जब मौके पर मौजूद लोग कुछ देर के लिए सन्न रह गए। गनीमत यह रही कि कार चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए समय रहते गाड़ी से छलांग लगा दी जिससे उसकी जान बच गई। जानकारी के अनुसार कार मालिक का नाम रमाकांत पुत्र श्यामलाल निवासी कुमारनपुरवा, थाना रेउसा के निवासी है। बताया गया कि रमाकांत किसी चिकित्सकीय जांच के लिए अल्ट्रासाउंड करवाने महमूदाबाद आए थे जांच के बाद वापस लौटते समय उनकी कार में अचानक तकनीकी खराबी आ गई, जिसके चलते उन्होंने सिधौली रोड के पास सड़क किनारे गाड़ी रोक दी जानकारी के मुताबिक कार तालाब के काफी नजदीक खड़ी की गई थी। काफी देर तक प्रयास के बाद जब कार ठीक हो गई, तो रमाकांत ने गाड़ी स्टार्ट की। इसी दौरान अनजाने में चालक का पैर एक्सीलेटर पर तेज दब गया, जिससे कार अचानक आगे की ओर झटके से बढ़ी और सीधे तालाब में जा गिरी घटना के समय कार धीमी गति से चल रही थी, जिससे चालक को कूदने का मौका मिल गया। कार तालाब में गिरते ही पानी में डूब गई। स्थानीय लोगों के

अनुसार तालाब में जिस स्थान पर लगातार बुलबुले उठते दिखाई दे रहे हैं, उसी जगह कार के फंसे होने की संभावना जताई जा रही है। हादसे की खबर मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और पुलिस को भी सूचना दी गई फिलहाल स्थानीय लोगों की मदद से कार को तालाब से बाहर निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं पुलिस भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रही है!!

नव वर्ष पर निकलेगी 18वीं विशाल शिव पदयात्रा, तैयारियों में जुटा नगर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। नव वर्ष के स्वागत को लेकर नगर में तैयारियां जोरों पर हैं। हर वर्ष की भांति इस बार भी ओम शिव शक्ति मानव सेवा समिति की ओर से 18वीं विशाल शिव पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा। यात्रा को लेकर समिति, व्यापार मंडल और सेवादारों द्वारा तैयारियां की जा रही हैं। समिति के अध्यक्ष रविंद्र मुरारका ने बताया कि यह पदयात्रा एक जनवरी 2026 को प्रातः सात बजे नगर की सराफामंडी स्थित पंचमुखेश्वर महादेव मंदिर से प्रारंभ होगी। श्रद्धालु बाबा भोलेनाथ के जयकारों के साथ बाल्हेश्वर धाम के लिए प्रस्थान करेंगे, जहां विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। यात्रा की तैयारियों को लेकर समिति के पदाधिकारियों, सेवादारों और व्यापार मंडल की बैठक आयोजित की गई, जिसमें व्यवस्थाओं और यात्रा की रूपरेखा पर चर्चा की गई। सेवादारों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष विवेक शर्मा ने बताया कि पदयात्रा को सफल बनाने के लिए व्यापार मंडल तन-मन-धन से सहयोग कर रहा है। सचिव सचिन गुप्ता ने बताया कि यह यात्रा पिछले 17 वर्षों से लगातार आयोजित की जा रही

है, जिसमें हर वर्ष सैकड़ों श्रद्धालु शामिल होते हैं। पारुल गुप्त ने बताया कि शिव परिवार की झांकी श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगी। डीजे की भक्तिमय धुनों और हर-हर महादेव के जयकारों के बीच श्रद्धालु बाबा बाल्हेश्वर धाम पहुंचकर दर्शन-पूजन के साथ नए साल की शुरुआत करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

विवाहिता ने ससुरालियों के खिलाफ दर्ज कराया दहेज उत्पीड़न का मुकदमा

हमीरपुर- कुरारा थाना क्षेत्र के बरुआ गांव की एक नम्रता ने पति समेत 4 ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ दहेज़ उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बरुआ गांव की नम्रता पुत्री रामशरण ने थाने में दी तहरीर मे बताया कि उसकी शादी कानपुर नगर के पनकी थाना क्षेत्र, गणेश नगर के रहने वाले सचिन पुत्र जगदीश के साथ हिंदू रीति रिवाज के साथ करीब 3 वर्ष पूर्व हुई थी।बताया कि शादी के कुछ दिनों बाद अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर ससुरालीजन आए दिन प्रताड़ित करने लगे।दहेज की मांग पूरी न करने पर पति सचिन, ससुर जगदीश, सास सुमन, ननंद निशा आए दिन मानसिक उत्पीड़न करने लगे और मारपीट करने लगे।पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पति, सास, ससुर, ननंद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जाँच शुरू कर दी है।

ऑफिस में उद्योग केंद्र की महिला पुरुष क्लर्क ने बनाई रील, ठुमके लगाते रील वायरल

हमीरपुर- जनपद में सरकारी कर्मचारियों का रील बनाकर सोशल मीडिया में वायरल करने का नशा कम होने का नाम नहीं ले रहा है। जिला उद्योग केंद्र के महिला

पुरुष क्लर्क की कार्यालय के अंदर ठुमके लगाती रील इस वक्त जमकर वायरल हो रही है। विभाग ने पूरे मामले की चुप्पी साथ रखी है। हालांकि वायरल वीडियो रील की यह दैनिक समाचार अखबार पुष्टि नहीं करता है। पूरा माजरा जिला उद्योग केंद्र का है जहां कार्यरत महिला क्लर्क और पुरुष क्लर्क की अलग-अलग नाचने की वीडियो रील वायरल हो रही है। इसमें कर्मचारी कार्यालय के समय में ठुमके लगाते दिख रहे हैं। अलाव के पास बैठकर उक्त पुरुष कर्मचारी एक चुम्मा तू मुझको उधार दे दे जैसे गीत पर ठुमके लगा रहे है। पूरा वीडियो 37 सेकंड का है। इस तरह 33 सेकंड के वीडियो में पुरुष कर्मचारी अकेले ठुमके लगाता हुआ दिख रहा है। जबकि 30 सेकंड के वीडियो में महिला कर्मचारी अपनी कुर्सी में बैठकर एक गाने की कॉपी करके एक्टिंग कर रही है। यह सारी वीडियो रील ऑफिस समय पर बनाई गई है।

आयुष हत्याकांडः तीन और आरोपियों ने किया कोर्ट में सरेंडर, पुलिस रिमांड पर होगी गहन पूछताछ

बेल्थरा रोड (बलिया)। चर्चित आयुष हत्याकांड मामले में पुलिस की कार्रवाई तेज हो गई है। मुख्य आरोपी राबिन सिंह के मऊ कोतवाली में आत्मसमर्पण के बाद अब इस मामले में नामजद तीन अन्य आरोपी पवन सिंह, रोहित वर्मा और शिवम उर्फ राजा ने बलिया स्थित मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। आरोपियों के कोर्ट में पेश होते ही पुलिस और जांच एजेंसियां पूरी तरह सक्रिय हो गई हैं। पुलिस अब सभी आरोपियों की भूमिका को आपस में जोड़ते हुए पूरे घटनाक्रम की कड़ी से कड़ी मिलाने में जुटी है। मामले की गहराई से जांच के लिए आरोपियों को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की तैयारी की जा रही है। इस संबंध में क्षेत्राधिकारी रसड़ा आलोक कुमार गुप्ता ने बताया कि हत्याकांड की सच्चाई सामने लाने के लिए आरोपियों से गहन पूछताछ की जाएगी। पूछताछ के दौरान साजिश, घटना की पूरी योजना और इसमें शामिल अन्य संभावित लोगों की जानकारी जुटाई जाएगी। वहीं, बलिया के वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव सिंह राठौर ने पुष्टि की कि जिले के चर्चित आयुष हत्याकांड के तीनों आरोपियों को विधिवत सीजेएम कोर्ट में सरेंडर कराया गया है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि जांच के दौरान मामले में और भी अहम खुलासे होने की संभावना है।

वीएमएमसी एवं सफदरजंग अस्पताल का 7वां दीक्षांत समारोह संपन्न, 393 विद्यार्थियों को मिली डिग्रियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज (VMMC) एवं सफदरजंग अस्पताल द्वारा सोमवार को 7 वां दीक्षांत समारोह भव्य रूप से आयोजित किया गया। यह समारोह मानेकशॉ सेंटर, दिल्ली कैंट स्थित जोरावर ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ, जिसमें स्नातक, स्नातकोत्तर एवं सुपर-स्पेशियलिटी पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों का उत्सव मनाया गया। इस गरिमामय समारोह की मुख्य अतिथि भारत सरकार की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल रहीं। अपने संबोधन में उन्होंने सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि सार्वजनिक चिकित्सा संस्थान भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ हैं। उन्होंने युवा चिकित्सकों से आग्रह किया कि वे चिकित्सा सेवा में नैतिकता, करुणा और मानवीय संवेदनाओं को सर्वोपरि रखें तथा वंचित और हाशिए पर मौजूद वर्गों की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहें।

समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. (प्रो.) महेश वर्मा, कुलपति, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (GGSIPU) एवं डॉ. (प्रो.) सुनीता शर्मा, महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं (DGHS) उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने विचार रखते हुए क्लिनिकल रिसर्च, अकादमिक उत्कृष्टता, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं के महत्व पर प्रकाश डाला।यह दीक्षांत समारोह डॉ. (प्रो.) संदीप बंसल, निदेशक, वीएमएमसी एवं सफदरजंग अस्पताल; डॉ. (प्रो.) गीतिका खन्ना, प्राचार्य, वीएमएमसी; तथा डॉ. (प्रो.) चारु बंबा, चिकित्सा अधीक्षक, सफदरजंग अस्पताल के नेतृत्व में संपन्न हुआ। मंचासीन अधिकारियों द्वारा विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं, जो उनके चिकित्सा करियर की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही।

इस अवसर पर डॉ. (प्रो.) गीतिका खन्ना, प्राचार्य, वीएमएमसी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि संस्थान को ऐसे कुशल, नैतिक एवं सामाजिक रूप से जिम्मेदार डॉक्टरों को तैयार करने पर गर्व है। उन्होंने कहा कि वीएमएमसी की सुदृढ़ शैक्षणिक व्यवस्था और सफदरजंग अस्पताल में मिलने वाला व्यापक क्लिनिकल अनुभव विद्यार्थियों को भविष्य की स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में सक्षम बनाता है।

दीक्षांत समारोह के दौरान कुल 217 स्नातकोत्तर, 136 स्नातक एवं 40 सुपर-स्पेशियलिटी विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं। इसके अतिरिक्त, 43 मेधावी विद्यार्थियों को पदक देकर उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों और समर्पण को सम्मानित किया गया। समारोह का समापन विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए गर्व, प्रेरणा और उत्साह के क्षणों के साथ हुआ, जिसने सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा के प्रति नए चिकित्सकों की प्रतिबद्धता को और मजबूत किया।

चेरेगी जीपी के अधीन भूतुछड़ा 91 नंबर मॉडल आंगनवाड़ी महत्वपूर्ण होने के बावजूद निर्माण कार्य धीमी गति से चल रहा है, जनता नाराज

● दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति में लंबे समय से निर्माण कार्य पूरा न होने के कारण कठिन परिस्थितियाँ हैं।

निर्माण कार्य पूरा न होने के कारण पढ़ाई की सुविधा से वंचित बच्चे!

मुख्यमंत्री और शिक्षामंत्री का ध्यानाकर्षण।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: वर्तमान सरकार प्रारंभिक बचपन विकास की सफलता के लिए मॉडल आंगनवाड़ी केंद्रों का विभिन्न जिलों में निर्माण कर रही है। जिन आंगनवाड़ी केंद्रों का निर्माण बाकी है, वह निर्माण विभाग के अधिकारी की तत्परता के कारण तेजी से चल रहा है। लेकिन श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर विधानसभा के चेराग़ी जीपी के अधीन भूतछड़ा 91 नंबर मॉडल आंगनवाड़ी शिक्षा केंद्र महत्वपूर्ण होने के बावजूद, मॉडल केंद्र में शिक्षिका और छात्र-छात्राएं सरकार की उन सुविधाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं क्योंकि निर्माण कार्य धीमी गति से चल रहा है और आज तक स्थिति बेहाल है। दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों में काम बंद है और इस मामले में सब कुछ जानने के बावजूद विभाग के अधिकारी निर्माण कार्य पूरा किए बिना टालमटोल कर रहे हैं। इसके चलते निर्माण न होने के कारण सरकार की सामग्री नष्ट और क्षतिग्रस्त हो रही है। स्कूल के छात्र और अभिभावक वर्ग सहित स्थानीय लोग इस स्थिति से नाराज हैं।

यह भूतछड़ा 91 नंबर मॉडल आंगनवाड़ी का निर्माण कार्य मंद गति से चल रहा है। नाराज लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य लंबे समय से विभागीय अधिकारियों की उदासीनता की वजह से धीमी गति से चल रहा है। लोग यह बताते हैं कि गांव के छात्र मॉडल की सुविधाओं से वंचित रह रहे हैं। लंबे समय से काम पूरा न होने के कारण और जिम्मेदारीहीन अधिकारियों के कारण यह स्थिति हुई है। अतिशीघ्र निर्माण कार्य तेजी से पूरा कर बच्चों के भविष्य और जनकल्याण के लिए कदम उठाने हेतु लोकप्रिय मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और शिक्षा मंत्री रनोज़ पेगुर का ध्यान आकर्षित किया जाता है।

मिस्टर एंड मिस दिल्ली 2025 बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता का भव्य आयोजन संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली: बॉडीबिल्डिंग हेल्थ एंड फिटनेस एसोसिएशन (BHFA) के तत्वावधान में मिस्टर एंड मिस दिल्ली 2025 बॉडीबिल्डिंग एवं फिटनेस प्रतियोगिता का सफल एवं भव्य आयोजन 14 दिसंबर 2025, रविवार को स्पोर्ट्स प्ले ग्राउंड, पुष्प विहार (डीपीएस स्कूल के सामने), नई दिल्ली में संपन्न हुआ। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में जूनियर, सीनियर एवं मास्टर वर्ग के खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी फिटनेस, अनुशासन और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का आयोजन BHFA इंडिया के उपाध्यक्ष मनजीत सिंह राणा के नेतृत्व में किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी अनिल गुप्ता जी तथा विशिष्ट अतिथि मनेश कुमार उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए फिटनेस को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संदेश दिया।

आयोजन को सफल बनाने में BHFA की आधिकारिक टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसमें मनजीत सिंह, आकिल मोहम्मद, आरिफ खान सतीश ठाकुर, आज़म आलम, संजय कुमार धीरज भारद्वाज रूप शर्मा, विवेक वीरभान, जितेंद्र शर्मा अंकित कुमार एवं लल्ली भैया शामिल रहे। आयोजकों ने बताया कि इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य युवाओं में स्वस्थ जीवनशैली, खेल भावना एवं अनुशासन को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं दर्शक उपस्थित रहे और आयोजन की सराहना की।

गांव के रसूखदार पर किशोरी से छेड़छाड़ का आरोप

हमीरपुर- मौदहा कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी ने अपने नौकर की नाबालिग पुत्री के साथ छेड़छाड़ की घटना को अंजाम दिया। किशोरी के पिता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी पिता ने कोतवाली में शिकायती पत्र देकर बताया कि वह गांव के एक रसूखदार व्यक्ति के घर में मजदूरी करने का काम करता है। बीते 11 दिसंबर को जब वह अपने खेत में पानी लगाने गया था तो उसने अपनी नाबालिग पुत्री को जानवरों का गोबर उठा कर साफ सफाई करने को कह गया था। उसी सिलसिले में किशोरी सफाई करने गई तभी मालिक ने उसके साथ छेड़छाड़ की, पीड़िता द्वारा जब अपने घर में यह बात बताई गई तो पीड़िता का पिता शिकायत करने गया इसपर आरोपी ने शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी।पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है जिसपर पुलिस ने कार्यवाही शुरू कर दी है। इस सम्बन्ध में कोतवाली प्रभारी संतोष सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में है जांच के बाद कार्यवाही की जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ असम के गुवाहाटी में परीक्षा पे चर्चा में श्रीभूमी जिले के दुल्लभछड़ा की आनंदिता मिश्रा स्थानीय लोगों ने कहा यह गर्भ का विषय

● आनंदिता मिश्रा खुशी के ठिकाने नहीं रख पा रही हैं, दुल्लभछड़ा रेलवे स्टेशन पर क्षेत्र के लोगों की ओर से स्वागत की लहर।

श्रीभूमि असम में पहली बार ऐसा कार्यक्रम आयोजित हुआ 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में असम के 12 जिलों से 25 विद्यार्थी भाग लिया, जिनमें बराक वैली से तीन विद्यार्थियों को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ विचार-विमर्श करने का अवसर मिला। श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा चरगोला वैली पब्लिक हाईयर सेकेंडरी स्कूल की नौवीं कक्षा की छात्रा आनंदिता मिश्रा ने 21 दिसंबर को चराईदेव के ब्रह्मपुत्र में जहाज पर 'एक कार्यक्रम का परीक्षण चर्चा' में भाग लेकर प्रधानमंत्री से बात की और प्रसन्न महसूस किया। जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री ने उक्त परीक्षार्थियों के साथ 40 मिनट तक विचार-विमर्श किया, लेकिन विचार-विमर्श के विषयों को सार्वजनिक नहीं किया जा सकता है, ऐसा निर्देश दिया गया है। उल्लेखनीय है कि 22 दिसंबर को दुल्लभछड़ा के समीपवर्ती पश्चिम कृष्णनगर गांव निवासी अशुतोष मिश्रा और सुषमा मिश्रा की कन्या आनंदिता मिश्रा के आने की खबर मिलते ही श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा के निकटवर्ती गांवों, पश्चिम कृष्णनगर सहित विभिन्न क्षेत्रों से समुदाय की महिलाएं और पुरुष विभिन्न सामग्री लाकर और आतिशबाजी करके दुल्लभछड़ा रेलवे स्टेशन पर स्वागत करते हैं। इस बीच आनंदिता मिश्र अपने व्यक्तिगत अनुभव से कहती हैं कि उन्हें यह सोचने का मौका भी नहीं था कि प्रधानमंत्री के साथ बैठने का अवसर मिलेगा, जिस पर उन्हें गर्व महसूस हो रहा है। इसके अलावा स्कूल प्रमुख देवाशीष सिन्हा, जिले के स्कूल इंस्पेक्टर निलम ज्याती दास और कालिगंज एच.एस. स्कूल की शिक्षिका गोपा सेन ने मार्गदर्शन के लिए उनकी प्रशंसा की और कहा कि जीवन में पहली बार वे पांच दिन अपने घर से बाहर रही। लेकिन उनके मार्गदर्शक के स्नेहपूर्ण प्यार के कारण उन्हें घर के बाहर रहने का एहसास तक नहीं हुआ, जो उनके जीवन में हमेशा यादगार रहेगा। इस पर लोकप्रिय विधायक विजय मालाकार ने विभिन्न तरीकों से सहयोग के लिए उनकी सराहना की। स्वागत समारोह में प्रधान शिक्षिका सुचेता रानी मिश्र, अजय चाटार्जी, वार्ड सदस्य श्याम कुमार सिन्हा, समाजसेवी विनय सिंह बाबली राजवंशी सहित विष्णुप्रिया मणिपुरी महासभा की हिंगला क्षेत्रीय समिति की संपादिका कृष्णा सिंह सहित अन्य प्रतिष्ठित व्यक्ति समिति के सदस्य उपस्थित थे। वहीं आनंदिता मिश्रा दूल्लभछड़ा ट्रेन से उतरने के बाद इस गौरवपूर्ण और अंतिम क्षण में श्रीभूमि जिले और क्षेत्र के नाम उज्जवल होने पर स्थानीय लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

चौधरी चरण सिंह जयंती पर आयोजित कृषि मेले में सम्मानित हुए प्रगतिशील किसान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- किसानों के मसीहा कहे जाने वाले स्व. चौधरी चरण सिंह की जयंती के अवसर पर मंगलवार को राजकीय महिला महाविद्यालय में जनपद स्तरीय किसान सम्मान दिवस एवं किसान मेला/प्रदर्शनी/गोष्ठी तथा फल-शाक भाजी शो का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों की भारी सहभागिता देखने को मिली। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष कुलदीप निषाद, भाजपा जिलाध्यक्ष शकुंतला निषाद, अध्यक्ष डीसीडीएफ, राज्यसभा सांसद बाबूराम निषाद एवं जिलाधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। उद्घाटन के बाद अतिथियों ने मेले में लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टालों का निरीक्षण कर किसानों से संवाद किया। मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद बाबूराम निषाद ने कहा कि स्व. चौधरी चरण सिंह ने जमींदारी उन्मूलन, कृषि विपणन व्यवस्था को मजबूत करने और किसानों को बिचौलियों से मुक्त कराने जैसे ऐतिहासिक कदम उठाए। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार किसानों के कल्याण हेतु अनेक योजनाएं चला रही हैं, जिनका लाभ किसानों तक पहुंचाने में जिला प्रशासन सराहनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने किसानों से उन्नत खेती अपनाने, सफल किसानों से सीख लेने तथा कृषि विज्ञान केंद्र व विभागीय विशेषज्ञों से जुड़ने का आह्वान किया।

जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में सिंचाई संसाधनों के विस्तार और खेत तालाबों के निर्माण से कृषि क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आया है। बागवानी में भी जिले ने उल्लेखनीय प्रगति की है। मुस्करा विकासखंड के किसानों द्वारा मुसम्मी उत्पादन में कीर्तिमान स्थापित कर निर्यात तक पहुंचना जिले की बड़ी उपलब्धि है।

उप कृषि निदेशक डॉ. प्रमोद कुमार ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए चौधरी चरण सिंह के किसान हितैषी कार्यों पर प्रकाश डाला और विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। मेले में कृषि विज्ञान केंद्र, उद्यान, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग के वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों ने उन्नत तकनीक, उत्पादन बढ़ाने के उपाय और सरकारी

योजनाओं की जानकारी किसानों को दी। किसान सम्मान दिवस के अवसर पर प्रत्येक विकासखंड से 5-5 किसानों को शाल, प्रशस्ति पत्र व दो हजार रुपए की राशि देकर सम्मानित किया गया। वहीं जनपद स्तर पर चयनित 34 किसानों को प्रथम व द्वितीय पुरस्कार के रूप में सात हजार रूपए व पांच हजार रुपए, शाल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जी.के. द्विवेदी ने किया। अंत में जिला कृषि अधिकारी डॉ. हरी शंकर ने सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और किसान भाइयों का आभार व्यक्त किया। किसान मेला किसानों के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायी साबित हुआ।

महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- कुरारा कस्बा के पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज में राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ रामानुजन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।इस अवसर पर विद्यार्थियों में गणित के प्रति रुचि एवं तार्किक क्षमता के विकास हेतु निबंध प्रतियोगिता एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। निबंध प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने रामानुजन जी के जीवन, उनके योगदान एवं गणित के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए, वहीं क्विज प्रतियोगिता में गणित से संबंधित रोचक प्रश्नों के माध्यम से विद्यार्थियों की ज्ञान-वृद्धि की गई।

कार्यक्रम के अंत में दोनों प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु उपयोगी गणित एवं तर्कशक्ति की पुस्तकों को पुरस्कार स्वरूप प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि रामानुजन जी का जीवन परिश्रम, प्रतिभा और आत्मविश्वास का प्रतीक है, जो विद्यार्थियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ गंभीर सिंह प्रवक्ता गणित प्रकाश द्विवेदी प्रवक्ता रसायन विज्ञान एवं शमशेर सिंह ने रामानुजन जी के जीवन, संघर्ष एवं गणित के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है। गणित न केवल अंकों का विषय है, बल्कि यह जीवन में समस्या समाधान की क्षमता भी विकसित करता है। कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षकगण, कर्मचारी एवं छात्र, छात्राएँ उपस्थित रहे।

कोहरे के चलते ट्रेन सेवा प्रभावित, तीन घंटे लेट आई पैसेंजर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- कोहरे के कहर का असर ट्रेनों के संचालन पर पड़ा है सुबह खजुराहो से चलकर कानपुर जाने वाली मेमू पैसेंजर ट्रेन 3 घंटे की देरी से यहां आ सकी। इसके अलावा मंगलवार को सुबह दोपहर से गुजरने वाली सभी यात्री ट्रेने घंटो देरी से आई इससे यात्री परेशान रहे।

कोहरे के कहर का असर चौतरफा पड़ रहा है। फसलों में आया फूल कोहरे से नष्ट हो रहा है वही धूप गायब होने से खेतों में ताव समय से नहीं आने के कारण गेहूं की बुवाई लेट हो रही है। मंगलवार को कोहरे का असर ट्रेनों के संचालन पर पड़ा। सुबह जबलपुर से चलकर लखनऊ जा रही चित्रकूट एक्सप्रेस 1 घंटा देरी से यहां आई। इसी तरह सुबह खजुराहो से चलकर कानपुर तक जाने वाली मेमू पैसेंजर ट्रेन 3 घंटा देरी से आई वहीं कानपुर से मानिकपुर जाने

वाली मेमू पैसेंजर ट्रेन सुबह 54 मिनट की देरी से आई इसी तरह दोपहर में कानपुर से मानिकपुर होकर प्रयागराज जाने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस एक घंटा की देरी से यहां आई ट्रेनों के लेट होने के कारण यात्रियों को स्टेशन में ठिठुरते हुए ट्रेनों का इंतजार करना पड़ा। दैनिक यात्री राजकुमार, बाबू गुप्ता, शिवनारायण धुरिया, गुड्डू गुप्ता, धीरू यादव आदि ने कहा कि कोहरे के कारण यात्री ट्रेन देर से चल रही है। इससे आने-जाने में परेशानी हो रही है और घंटो प्लेटफार्म में बैठकर ट्रेनों का इंतजार करना पड़ रहा है।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित

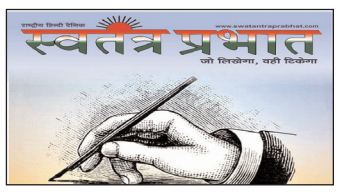

देवरिया। पुलिस लाइन के प्रेक्षागृह में मंगलवार को बाल विवाह मुक्त भारत राष्ट्रीय अभियान के तहत 100 दिवसीय विशेष कार्यक्रम एवं विशेष किशोर पुलिस इकाई की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता डिप्टी लीगल डिफेंस प्रतिनिधि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ओम प्रकाश तिवारी ने की। उन्होंने बताया कि बाल विवाह पीड़ितों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। बैठक में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम-2006 की जानकारी देते हुए जनपद को बाल विवाह मुक्त बनाने का संकल्प दिलाया गया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में नैमिषारण्य तीर्थ विकास परिषद के तहत हो रहे विकास कार्यों की समीक्षा बैठक

सीतापुर (सू0वि0) जिलाधिकारी डा0 राजगणपति आर0 की अध्यक्षता में नैमिषारण्य तीर्थ विकास परिषद के तहत हो रहे विकास कार्यां की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने तीर्थ विकास में पड़ने वाली आवश्यक जरूरी जमीनों की सभी प्रक्रिया इस सप्ताह पूर्ण करने के निर्देश संबंधित को दिये व इसका प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश संबंधित को दिये। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि नैमिषारण्य क्षेत्रान्तर्गत जो भी कार्य कराये जाये, वह सभी संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित करते हुये ही पूर्ण कराये जायें। उन्होंने संबंधित को निर्देश दिये कि नैमिषारण्य विकास हेतु मास्टर प्लान पहले से ही तैयार कर लिया जाये तथा जिन-जिन स्थानों पर कार्य कराये जाने हैं, उसका संबंधित विभाग अपना-अपना प्रस्ताव प्रस्तुत कर दें। आगामी 84 कोसीय को दृष्टिगत रखते हुये संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि पड़ाव पर पड़ने वाले मार्गो पर समुचित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाती है, वह अस्थाई न होकर स्थाई होनी चाहिये, इसकी भी कार्ययोजना प्रस्तुत करें तथा पड़ावों पर पड़ने वाले मार्गो का चौड़ीकरण कराते हुये दुरूस्तीकरण कराया जाये तथा मार्गो के किनारे की झाड़ियों की कटाई छटाई एवं साफ-सफाई सुनिश्चित की जाये। उन्होंने संबंधित को निर्देश दिये कि सभी पड़ावों पर श्रद्धालुओं हेतु शौचालय की समुचित व्यवस्था की जाये। जिलाधिकारी ने हरदोई एवं नैमिषारण्य पर पड़ने वाले मार्गो हेतु हरदोई क्षेत्र से समन्वय स्थापित करते हुये अवैध अतिक्रमण चिन्हित करते हुये खाली कराया जाये। सुरक्षा के दृष्टिगत हरदोई व नैमिषारण्य क्षेत्र के बीच कितनी चौकियां एवं थानें स्थापित होने हैं, उसका भी प्रस्ताव प्रेषित करने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिये। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया पूर्ण हुयी परियोजनाओं को हैण्डओवर कर दिया जाये तथा लोगों की सुविधा हेतु साईनेज बोर्ड भी स्थापित किये जायें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मिश्रिख में बस स्टैण्ड की स्थापना और ई-चार्जिंग स्टेशन का प्रस्ताव प्रस्तुत करें। जिलाधिकारी ने संबंधित

अधिकारियों को निर्देश दिये कि नैमिषारण्य में आने वाले श्रद्धालुओं की सुगमता हेतु जहां-जहां पर पुल का निर्माण होना है, उसका भी प्रस्ताव तैयार करते हुये आगामी बैठक में प्रस्तुत किया जाये। आगामी 84 कोसीय परिक्रमा के दृष्टिगत बैरीकेटिंग लगायी जाये तथा जो भी श्रद्धालु नाव के माध्यम से आते हैं तो नावों की संख्या में वृद्धि की जाये। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि नैमिषारण्य क्षेत्रान्तर्गत पड़ने वाले तालाबों को चिन्हित करते हुये उनको सरोवर के रूप में विकसित किया जाये। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी प्रणता ऐश्वर्या, प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी वन प्रभाग नवीन खण्डेलवाल, अपर जिलाधिकारी नीतीश कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सपा महिला सभा ने ज्ञापन सौंप, बिहार के मुख्यमंत्री को बर्खास्त करने की मांग की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- समाजवादी महिला सभा जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित केंद्रीय मंत्री, प्रदेश सरकार के अनर्गल बयानबाजी करने पर स्तीफा की मांग की है।

सपा महिला सभा की जिलाध्यक्ष नीलम यादव के नेतृत्व में सपाइयों ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री द्वारा महिला का हिजाब हटाने की निंदा की। साथ ही केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, प्रदेश सरकार के मंत्री

संजय निषाद द्वारा महिला सम्मान के खिलाफ बयान बाजी करने पर सभी को पदों से बर्खास्त करके मुकदमा दर्ज करके जेल भेजने की मांग की। इस मौके पर जिलाध्यक्ष इदरीश खान, नीलम यादव, महिला सभा की प्रदेश सचिव सोनिया सोनी, उर्मिला, सोमवती, सुमित्रा, युवजन सभा के जिलाध्यक्ष मानसिंह यादव, वर्षा नामदेव, रानी देवी, सुभद्रा, शमीमा खातून, गया प्रसाद अनुरागी,र ण बहादुर यादव, ओपी सोनकर, जितेंद्र खंगार, अजय यादव, लाखन सिंह यादव आदि सपाई शामिल रहे।